त्रिवेणी विशेषांक

THE MDSU QUATERLY RESONANCE

MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY

www.mdsuajmer.ac.in

ज्ञान (Knowledge)

संस्कृति (Culture)

विकास (Development)

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर
MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY AJMER
1987
महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय
अजमेर, राजस्थान
ज्ञान • संस्कार • सेवा • शोध • स्वावलंबन
MDS UNIVERSITY
अब पढ़ाई के
साथ कमाई भी
प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल
कुलगुरु
महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर
LEaP – Learn, Earn and Perform योजना
Study While Earning
सीखिए • कमाइए • आगे बढ़िए
Study While Earning
₹3,000 से ₹8,000 तक आर्थिक सहयोग
कौशल आधारित शिक्षा एवं वास्तविक कार्य अनुभव
नई शिक्षा नीति (NEP) के अनुरूप अभिनव पहल
आत्मनिर्भरता एवं रोजगारपरक दक्षताओं का विकास
पढ़ाई के साथ अनुभव • आत्मनिर्भरता • उज्ज्वल भविष्य
रिसर्च असिस्टेंस एवं प्रयोगशाला सहयोग
कंटेंट क्रिएशन एवं डिजिटल कार्य
प्रशासनिक एवं डॉक्यूमेंटेशन कार्य
पर्यावरण संरक्षण एवं हॉर्टिकल्चर
इवेंट मैनेजमेंट एवं टीमवर्क
सोशल मीडिया प्रबंधन
इवेंट मैनेजमेंट एवं टीमवर्क
स्मार्ट क्लासेस एवं नवाचार संस्कृति
कौशल विकास एवं अनुभवात्मक शिक्षा
ADMISSIONS OPEN 2026–27
UG • PG • DIPLOMA • CERTIFICATE PROGRAMS
MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY, AJMER
www.mdsuajmer.ac.in
SCAN ME
मेरिट आधारित चयन प्रक्रिया
पारदर्शी एवं निष्पक्ष व्यवस्था
आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता का विकास
रोजगारपरक दक्षताएं एवं उज्ज्वल भविष्य
Follow us:

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय

कुलगीत

अजयमेरु के प्रांगण में है ज्ञान-ध्यान का आलय।
महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय ।।

पुष्कर, मीरां, ख्वाजा की रंगत का पावन संगम है।
वस्त्रोद्योग का, बणी ठणी का, संगमरमर का उद्गम है।।
वाणी का आलोक प्रभामय प्रतिभामय मेधावी है।
उत्तम शिक्षा, उच्च ज्ञान और उन्नत शोध प्रभावी है।।

अजयमेरु के प्रांगण में है ज्ञान-ध्यान का आलय।

योग-कला-वाणिज्य और विज्ञान की शिक्षा उत्तम।
ऋषियों के नामों से शोभित है भवनों का परचम।।
इस गरिमामय विद्याकुल का यशोगान हम गायें।
इसका गौरव, इसकी महिमा नित नित नवल बढ़ायें।।

अजयमेरु के प्रांगण में है ज्ञान-ध्यान का आलय।
महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय ।।

पुरोवाक्......

नेतृत्व से आगे : संस्थागत संस्कृति में परिवर्तन का एक वर्ष

कैलाश चन्द्र शर्मा
कुलसचिव
महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

विश्वविद्यालयों का इतिहास केवल भवनों, योजनाओं अथवा उपलब्धियों से नहीं लिखा जाता; वह उन विचारों और कार्यसंस्कृतियों से निर्मित होता है जो समय के साथ संस्थान की पहचान बन जाती हैं। किसी भी कुलगुरु के कार्यकाल का वास्तविक मूल्यांकन भी इसी आधार पर होता है कि उसने विश्वविद्यालय को केवल संचालित किया या उसे नई दिशा, नई सोच और नई कार्यसंस्कृति प्रदान की। विगत एक वर्ष में महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर ने जिस परिवर्तनशील यात्रा का अनुभव किया, वह इसी दृष्टि का परिणाम है।

प्रशासन के निकट कार्य करते हुए यह स्पष्ट अनुभव हुआ कि इस अवधि में विश्वविद्यालय की प्राथमिकताओं में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया। निर्णय केवल लिए नहीं गए, बल्कि उन्हें समयबद्ध क्रियान्वयन, उत्तरदायित्व और परिणाम से जोड़ा गया। नियमित समीक्षा, संवाद की संस्कृति, सामूहिक सहभागिता तथा पारदर्शी कार्यप्रणाली ने प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सक्रिय, उत्तरदायी और उद्देश्यपूर्ण बनाया। विश्वविद्यालय का प्रत्येक विभाग स्वयं को विकास प्रक्रिया का सहभागी अनुभव करने लगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को विश्वविद्यालय में केवल एक सरकारी नीति के रूप में नहीं देखा गया, बल्कि इसे भविष्य की शिक्षा व्यवस्था के रूपांतरण का अवसर माना गया। पाठ्यक्रमों के पुनर्गठन, सेमेस्टर एवं क्रेडिट आधारित प्रणाली, बहुविषयक शिक्षा, कौशल आधारित अधिगम, भारतीय ज्ञान परम्परा तथा विद्यार्थी-केंद्रित शैक्षणिक सुधारों ने यह संदेश दिया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल उपाधि प्रदान करना नहीं, बल्कि सक्षम, संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिक तैयार करना है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक संरचना में यह परिवर्तन आने वाले वर्षों की दिशा निर्धारित करने वाला सिद्ध होगा।

किसी विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा उसके शोध से निर्मित होती है। बीते वर्ष में शोध को नई ऊर्जा प्रदान करने के लिए जो पहलें प्रारम्भ हुई, उन्होंने अनुसंधान को अधिक व्यवस्थित, उत्तरदायी और समाजोपयोगी बनाने की दिशा में सार्थक वातावरण तैयार किया। शोध प्रबंधन के डिजिटलीकरण, भारतीय ज्ञान परम्परा को शोध विमर्श से जोड़ने, गुणवत्तापूर्ण शोध को प्रोत्साहन देने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विद्वानों की सहभागिता बढ़ाने वाले निर्णयों ने विश्वविद्यालय की अकादमिक दृष्टि का विस्तार किया। Recognized Professors जैसी नीति इस विश्वास को और मजबूत करती है कि उत्कृष्ट विश्वविद्यालय सीमाओं में नहीं, बल्कि ज्ञान के मुक्त आदान-प्रदान में विश्वास रखते हैं।

इस अवधि की सबसे उल्लेखनीय विशेषताओं में से एक यह रही कि प्रत्येक निर्णय के केन्द्र में विद्यार्थी को रखा गया। विश्वविद्यालय ने यह स्पष्ट किया कि शिक्षा तभी सार्थक है जब वह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, कौशल, रोजगार क्षमता और मानवीय मूल्यों के विकास में सहायक बने। LEaP, Finishing School, रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम, विद्यार्थी सहायता तंत्र तथा कौशल विकास की पहलों ने इसी सोच को व्यवहार में रूपायित किया। वहीं कारगिल शहीदों के आश्रितों के लिए शिक्षण एवं परीक्षा शुल्क में पूर्ण छूट का निर्णय यह बताता है कि विश्वविद्यालय ज्ञान के साथ-साथ संवेदनशीलता और राष्ट्रधर्म को भी समान महत्व देता है।

प्रशासनिक दृष्टि से भी विश्वविद्यालय ने एक नई कार्यसंस्कृति विकसित की। डिजिटल तकनीक को केवल सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि सुशासन का आधार बनाया गया। ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार, परीक्षा प्रणाली में सुधार, समयबद्ध कार्य निष्पादन, विभागीय उत्तरदायित्व तथा पारदर्शी प्रक्रियाओं ने प्रशासन को अधिक विश्वसनीय और नागरिक-अनुकूल बनाया। विश्वविद्यालय के दैनिक कार्यों में दक्षता और उत्तरदायित्व का जो वातावरण विकसित हुआ, वह भविष्य की संस्थागत क्षमता को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन विश्वविद्यालय की विकास-दृष्टि में दिखाई दिया। आधारभूत संरचना, हरित परिसर, ऊर्जा संरक्षण, जैव विविधता, आधुनिक प्रयोगशालाओं और डिजिटल संसाधनों का विस्तार केवल निर्माण कार्य नहीं थे; वे इस विचार का प्रतिबिंब थे कि आधुनिक विश्वविद्यालय ज्ञान, पर्यावरण और तकनीक—तीनों के संतुलन से निर्मित होते हैं। साथ ही भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, प्रार्थना, नैतिकता और परम्पराओं को विश्वविद्यालय जीवन से जोड़ने का प्रयास यह दर्शाता है कि आधुनिकता और भारतीयता परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं।

विगत वर्ष में अनेक ऐसे निर्णय भी सामने आए जिनका प्रभाव विश्वविद्यालय की सीमाओं से आगे तक दिखाई देता है। राजस्थान के लिए एकीकृत कॉमन एडमिशन सिस्टम का प्रस्ताव उच्च शिक्षा में पारदर्शिता, समान अवसर और सुगम प्रवेश व्यवस्था की दूरदर्शी सोच का परिचायक है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय की एक वर्ष की प्रगति का विस्तृत प्रतिवेदन माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति को प्रस्तुत किया जाना उत्तरदायी प्रशासन की उस परम्परा को स्थापित करता है जिसमें उपलब्धियाँ केवल घोषित नहीं की जातीं, बल्कि सार्वजनिक उत्तरदायित्व के साथ प्रस्तुत भी की जाती हैं।

एक कुलसचिव के रूप में प्रशासन की प्रत्येक प्रक्रिया को निकट से देखने का अवसर मिलता है। इस दृष्टि से कहा जा सकता है कि बीता हुआ वर्ष केवल योजनाओं का वर्ष नहीं था; यह विश्वास निर्माण का वर्ष था। इस अवधि में विश्वविद्यालय ने यह सिद्ध किया कि स्पष्ट दृष्टि, समयबद्ध निर्णय, सामूहिक सहभागिता और संस्थागत उत्तरदायित्व के साथ सार्वजनिक विश्वविद्यालय भी परिवर्तन, नवाचार और उत्कृष्टता के नए प्रतिमान स्थापित कर सकते हैं।

विश्वास है कि यह विकसित कार्यसंस्कृति आने वाले वर्षों में और अधिक सशक्त होगी तथा महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर ज्ञान, अनुसंधान, सुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान को और अधिक सुदृढ़ करेगा। यही इस एक वर्ष की सबसे बड़ी उपलब्धि है—उपलब्धियों का विस्तार नहीं, बल्कि उत्कृष्टता को संस्थागत संस्कृति का स्वरूप प्रदान करना।

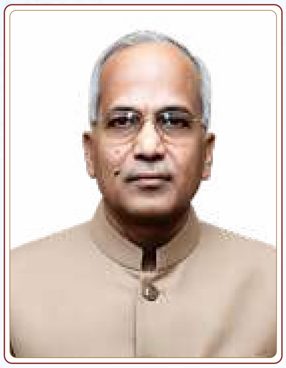

प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल
कुलगुरु

ज्ञान, नवाचार और उत्तरदायित्व : महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय की विकास-यात्रा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 ने भारतीय उच्च शिक्षा को ज्ञान, नवाचार, बहुविषयकता और भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित नई दिशा प्रदान की है। इसी व्यापक दृष्टि के अनुरूप महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय ने विगत वर्ष में शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध, सुशासन, विद्यार्थी-केंद्रित विकास तथा संस्थागत उत्तरदायित्व को एकीकृत करते हुए विकास की ऐसी यात्रा तय की, जिसने विश्वविद्यालय की कार्यसंस्कृति को नई ऊर्जा और नई पहचान प्रदान की। यह अवधि केवल प्रशासनिक उपलब्धियों तक सीमित न रहकर उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, पारदर्शिता, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व को संस्थागत स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के अंतर्गत स्नातक स्तर पर सेमेस्टर एवं क्रेडिट आधारित शिक्षा प्रणाली लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। Ability Enhancement Courses, Skill Enhancement Courses, Value Added Courses, बहुविषयक अध्ययन, द्वैध उपाधि (Dual Degree) तथा द्विवार्षिक प्रवेश व्यवस्था जैसे सुधारों के साथ शिक्षा को अधिक लचीला, रोजगारोन्मुख एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाया गया। महर्षि दयानन्द सरस्वती, तीर्थराज पुष्कर, कर्मयोग, पर्यावरण एवं भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित पाठ्यक्रमों ने आधुनिक शिक्षा को भारतीय जीवन-दृष्टि से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया।

शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने राजस्थान का प्रथम विश्वविद्यालय बनकर शोधचक्र Research Management System अपनाया तथा Enhance Studies Enhance Development (ESED) योजना के माध्यम से शिक्षकों में गुणवत्तापूर्ण शोध को प्रोत्साहन दिया। शोध अध्यादेशों में भारतीय ज्ञान परम्परा, नीति-निहितार्थ (Policy Implications) तथा भारतीय शास्त्रार्थ परम्परा को समाहित कर अनुसंधान को अधिक समाजोपयोगी एवं भारतीय दृष्टिकोण से समृद्ध बनाने का प्रयास किया गया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की विद्या परिषद द्वारा Recognized Professors की नियुक्ति संबंधी नीति को स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों के ज्ञान, अनुभव और मार्गदर्शन का लाभ विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को प्राप्त हो सकेगा। कुछ प्रतिष्ठित आचार्य को Recognised Professor बना भी दिया गया है| राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ हुए समझौता ज्ञापनों तथा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक क्षमता को और अधिक सुदृढ़ किया।

विद्यार्थी कल्याण को विश्वविद्यालय की प्रत्येक नीति के केन्द्र में रखा गया। लर्न, अर्न एण्ड परफोर्म (LEaP) योजना, फिनिशिंग स्कूल, प्लेसमेंट सेल, स्टूडेंट फेसिलिटेशन सेंटर तथा NCC जैसी भावी योजनाएँ विद्यार्थियों के कौशल, व्यक्तित्व विकास और रोजगार क्षमता को सुदृढ़ करने की दिशा में प्रभावी सिद्ध होंगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स तथा अन्य रोजगारोन्मुख

पाठ्यक्रमों की शुरुआत ने विद्यार्थियों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार प्रदान कर दिया है। सामाजिक संवेदनशीलता के उदाहरणस्वरूप विश्वविद्यालय द्वारा कारगिल शहीदों के आश्रितों के लिए शिक्षण शुल्क एवं परीक्षा शुल्क में शत-प्रतिशत छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है, जो राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की सशक्त अभिव्यक्ति है।

सुशासन और पारदर्शिता को संस्थागत संस्कृति का आधार बनाते हुए विश्वविद्यालय में व्यापक डिजिटल सुधार लागू किए गए। राजकाज पोर्टल, ऑनलाइन प्रवेश, माइग्रेशन, पीएच.डी. वाइवा, ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन तथा अन्य डिजिटल सेवाओं ने प्रशासन को अधिक उत्तरदायी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया। डिजिटल सशक्तीकरण की दिशा में अत्याधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा एवं एमडीएसयू पॉडकास्ट प्रारम्भ किए जा रहे हैं। परीक्षा सुधारों के अंतर्गत निजी परीक्षा केन्द्रों के स्थान पर सरकारी केन्द्रों की स्थापना, विश्वविद्यालय परिसर मे केन्द्रीयकृत परीक्षा व्यवस्था तथा डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली ने परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता को नई मजबूती प्रदान की। गुणवत्ता आश्वासन, नैक की तैयारियों, वित्तीय अनुशासन तथा संसाधनों के विवेकपूर्ण प्रबंधन ने उत्तरदायी प्रशासन की सुदृढ़ आधारशिला स्थापित की है।

आधारभूत संरचना के विकास, आधुनिक प्रयोगशालाओं, स्मार्ट शिक्षण संसाधनों तथा भवनों के उन्नयन के साथ-साथ विश्वविद्यालय ने हरित परिसर की अवधारणा को भी नई गति प्रदान की। बायो फ्युल कैम्पस, रूफटॉप सोलर, कम्पोस्ट यूनिट, जैव विविधता संरक्षण, क्यू आर आधारित पौध टैगिंग तथा नेट ज़ीरो कार्बन कैम्पस बनाने की दिशा मे पहल पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के प्रति विश्वविद्यालय की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। भारतीय संस्कृति एवं जीवन-मूल्यों के संवर्धन हेतु दैनिक प्रार्थना, वैदिक परम्पराओं तथा सांस्कृतिक गतिविधियों को भी विश्वविद्यालय की कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाया गया है।

संस्थागत सुधारों की दिशा में एक दूरदर्शी पहल के रूप में राजस्थान कॉमन एडमिशन सिस्टम का विस्तृत प्रस्ताव माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति तथा राज्यसरकार को प्रेषित किया गया। इस पहल का उद्देश्य राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए एकीकृत, पारदर्शी एवं सुलभ प्रवेश व्यवस्था विकसित करना है, जिससे विद्यार्थियों को एक ही मंच पर प्रवेश की सुविधा प्राप्त हो, आर्थिक भार कम हो तथा सम्पूर्ण प्रवेश प्रक्रिया अधिक सरल और पारदर्शी बन सके। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की एक वर्ष की विकास यात्रा का विस्तृत प्रतिवेदन माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति को प्रस्तुत किया गया, जो संस्थागत पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं सुशासन के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर में शिक्षा, अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, कर्मचारी कल्याण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को केंद्र में रखकर अनेक महत्वपूर्ण पहलें प्रारम्भ की गई हैं। माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान पर "नशा मुक्त भारत अभियान" को विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ गोदित गाँवों तक विस्तारित किया जा रहा है। भारतीय भाषाओं के संरक्षण हेतु राजस्थानी भाषा अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई है। कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए ईसीजी केंद्र की स्थापना तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान का शुभारम्भ किया जा रहा है। सामाजिक उत्तरदायित्व का पालन करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा समय समय पर रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण कंप का आयोजन किया जाता है। कर्मचारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनके सुरक्षित भविष्य के लिए ₹50 करोड़ के पेंशन फंड का प्रावधान भी किया गया है। ये सभी पहलें विश्वविद्यालय को नवाचार, सुशासन, सामाजिक सरोकार और कर्मचारी कल्याण के आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय की यह विकास-यात्रा इस विश्वास को सुदृढ़ करती है कि उत्कृष्ट विश्वविद्यालय केवल अधोसंरचना या उपलब्धियों से नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीतियों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समाजोपयोगी शोध, उत्तरदायी प्रशासन, सांस्कृतिक मूल्यों और विद्यार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण से निर्मित होते हैं। माननीय कुलाधिपति के नेतृत्व मे ज्ञान, नवाचार, पारदर्शिता और राष्ट्रनिर्माण की इसी समन्वित भावना के साथ विश्वविद्यालय भविष्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की अपेक्षाओं के अनुरूप उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के नए मानदण्ड स्थापित करने की दिशा में निरंतर अग्रसर रहेगा।

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	पुरोवाक्......	2–3
2.	ऋतस्य पन्थाः	4–5
3.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का प्रभावी क्रियान्वयन	8
4.	शोध एवं नवाचार	9-10
5.	राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग	11
6.	राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ एवं अकादमिक गतिविधियाँ	11
7.	शिक्षक विकास एवं मानव संसाधन	11-12
8.	कर्मचारी कल्याण एवं प्रशासनिक संवेदनशीलता	12
9.	विद्यार्थी कल्याण एवं सशक्तिकरण	12-13
10.	उद्योग–शिक्षा समन्वय एवं कौशल विकास	13
11.	रोजगारोन्मुख नवीन पाठ्यक्रम	13
12.	डिजिटल प्रशासन एवं ई-गवर्नेंस	14
13.	आधारभूत संरचना विकास	14
14.	हरित एवं पर्यावरणीय पहल	14
15.	गुणवत्ता आश्वासन एवं सुशासन	16
16.	परीक्षा सुधार : पारदर्शिता, विश्वसनीयता एवं समयबद्धता की नई व्यवस्था	16
17.	खेल, संस्कृति एवं सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ	16
18.	भारतीय संस्कृति, जीवन-मूल्य एवं विश्वविद्यालय की विशिष्ट पहचान	17
19.	राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व एवं संस्थागत प्रतिष्ठा	17
20.	प्रशासनिक एवं संस्थागत सुधार	17
21.	वित्तीय अनुशासन एवं संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन	18
22.	भवन रखरखाव एवं आधारभूत संरचना विस्तार	18
23.	अतिक्रमण मुक्त परिसर की दिशा में प्रभावी पहल	18-19
24.	आगामी कार्ययोजना : उत्कृष्टता की ओर अग्रसर विश्वविद्यालय	19
25.	परिवर्तन, उत्कृष्टता एवं उत्तरदायित्व की एक वर्ष की यात्रा	19

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर
MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY, AJMER
1987
राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020
के अनुरूप
व्यापक शैक्षणिक सुधार लागू
शैक्षणिक सत्र 2026-27 से सभी स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में
सेमेस्टर प्रणाली, क्रेडिट आधारित ढांचा एवं नवीन परीक्षा पद्धति लागू
सेमेस्टर प्रणाली SEMESTER SYSTEM
क्रेडिट आधारित ढांचा (CREDITIZATION)
सतत् मूल्यांकन (CONTINUOUS ASSESSMENT)
बहुविषयक शिक्षा (MULTIDISCIPLINARY LEARNING)
शैक्षणिक लचीलापन (ACADEMIC FLEXIBILITY)
नवाचार एवं अनुसंधान (INNOVATION & RESEARCH)
डिजिटल एवं परिणामोन्मुख शिक्षा (DIGITAL & OUTCOME-BASED EDUCATION)
प्रमुख विशेषताएँ
सभी स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में सेमेस्टर प्रणाली लागू
क्रेडिट आधारित शैक्षणिक ढांचा (Creditization)
सतत् मूल्यांकन आधारित नवीन परीक्षा प्रणाली
बहुविषयक एवं लचीली शिक्षा व्यवस्था
विद्यार्थी-केन्द्रित एवं अधिगम परिणाम आधारित शिक्षा
राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप वैश्विक मानकों की ओर अग्रसर
"विश्वविद्यालय का उद्देश्य एक ऐसा शिक्षण वातावरण निर्मित करना है जो विद्यार्थी-केंद्रित, अधिगम परिणाम आधारित, लचीला एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप हो।"
— Prof. Suresh Kumar Agrawal
Vice Chancellor
Maharshi Dayanand Saraswati University, Ajmer
ज्ञान • नवाचार • उत्कृष्टता • समग्र विकास
विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा
लचीला एवं बहुविषयक अध्ययन
अधिगम परिणाम आधारित दृष्टिकोण
डिजिटल सशक्तिकरण
वैश्विक मानकों की ओर अग्रसर
महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर
Maharshi Dayanand Saraswati University, Ajmer
Towards Excellence, Innovation and Academic Transformation under NEP 2020

"विकास भी, विरासत भी" के पावन संकल्प के साथ महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय स्वप्न को साकार करने हेतु सतत अग्रसर है। एक ओर आधुनिक शिक्षा को अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास और प्रौद्योगिकी के माध्यम से भविष्य का निर्माण किया जा रहा है, तो दूसरी ओर भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और मानवीय मूल्यों का संरक्षण एवं संवर्धन हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस हेतु विश्वविद्यालय ने "निर्माण" (Build) की तुलना में सृजन (Create) को प्राथमिकता दी है। हमारा विश्वास है कि जड़ों से जुड़कर ही शिखर तक पहुंचा जा सकता है। यह एक वर्ष संतुलित, समावेशी और राष्ट्रोन्मुखी विकास यात्रा का साक्षी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का प्रभावी क्रियान्वयन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 उच्च शिक्षा में स्वतंत्रता, लचीलापन, बहुविषयकता, कौशल, नवाचार तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के समन्वय का व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय ने इस नीति को केवल औपचारिक रूप से लागू करने के स्थान पर इसे विश्वविद्यालय की संपूर्ण शैक्षणिक व्यवस्था का आधार बनाने का निर्णय लिया। इसी दृष्टि से विगत एक वर्ष के दौरान व्यापक शैक्षणिक सुधारों की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई। सत्र 2026-27 से स्नातक स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली लागू करने का निर्णय विश्वविद्यालय के इतिहास का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसके साथ ही क्रेडिट आधारित शिक्षा प्रणाली को अपनाते हुए विद्यार्थियों को अधिक लचीला एवं परिणामोन्मुख शिक्षण वातावरण प्रदान करने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए। मूल्यांकन पद्धति को परिवर्धित (shift from information to application) कर उसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप बनाया गया तथा पाठ्यक्रमों का व्यापक पुनरीक्षण किया गया, जिससे शिक्षा अधिक समकालीन, बहुआयामी एवं रोजगारोन्मुख बन सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल उद्देश्य—"सीखना, कौशल विकसित करना तथा जीवनोपयोगी ज्ञान अर्जित करना"—को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने Ability Enhancement Courses (AEC), Skill Enhancement Courses (SEC), Value Added Courses (VAC) पाठ्यक्रम निर्मित किए हैं। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, उद्यमिता, समस्या समाधान, डिजिटल दक्षता तथा व्यावसायिक योग्यता का विकास सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया। इन्हें आगामी सत्र से लागू कर दिया जाएगा |

भारतीय ज्ञान परम्परा एवं स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग बनाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने महर्षि दयानंद सरस्वती, तीर्थराज पुष्कर, कर्मयोग, मतदाता साक्षरता तथा पर्यावरण शिक्षा जैसे अभिनव मूल्य संवर्धित (value added) पाठ्यक्रम विकसित किए हैं। इन्हें भी आगामी सत्र से लागू करने की योजना बनी है | इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना, नैतिक मूल्यों, लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व एवं पर्यावरणीय संवेदनशीलता का विकास करना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की बहुविषयक अवधारणा को साकार करने हेतु Multidisciplinary Courses तैयार किए गए तथा स्नातकोत्तर स्तर पर भी इसी प्रकार की व्यवस्था लागू करने के लिए विस्तृत प्रारूप विकसित किया गया। साथ ही SWAYAM प्लेटफ़ॉर्म के पाठ्यक्रमों को अपनाकर विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के श्रेष्ठ शिक्षण संसाधनों से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिसे आगामी वर्ष तक संपूर्ण कर लागू कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय ने Dual Degree System लागू कर विद्यार्थियों के लिए बहुविषयक अध्ययन के नए अवसर उपलब्ध कराए हैं। एक ही शैक्षणिक वर्ष में दो बार प्रवेश (Biannual Admission) की व्यवस्था के लिए सक्षम निकायों से अनुमोदन प्राप्त कर कर लिया गया है जिसे आगामी सत्र से क्रियान्वित किए जाने की योजना बनी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर व्यापक विमर्श के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा राज्य स्तरीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें माननीय उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ अध्यक्ष प्रो नारायण

लाल गुप्ता एवं संगठन मंत्री माननीय श्री महेंद्र जी कपूर, वरिष्ठ शिक्षाविदों तथा नीति-निर्माताओं ने सहभागिता कर विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की तथा भविष्य की दिशा पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 की मुख्य विशेषताओं पर आधारित एक पुस्तक का प्रकाशन भी किया गया |

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा किए गए ये प्रयास न केवल शैक्षणिक सुधारों का प्रतीक हैं, बल्कि भविष्य की ऐसी उच्च शिक्षा व्यवस्था की आधारशिला भी हैं जो विद्यार्थियों को समग्र शिक्षा (Holistic Education)-ज्ञान, कौशल, संस्कार और रोजगार—चारों स्तरों पर सशक्त बनाने का मार्ग प्रशस्त करती है।

शोध एवं नवाचार

किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पहचान उसके शोध, नवाचार एवं ज्ञान-सृजन से होती है। इसी तथ्य को आधार बनाते हुए महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय ने विगत एक वर्ष में अनुसंधान व्यवस्था में अनेक ऐसे संरचनात्मक सुधार किए, जिन्होंने विश्वविद्यालय की शोध संस्कृति को नई दिशा एवं नई गति प्रदान की। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल शोध की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि ऐसे शोध को प्रोत्साहित करना रहा जो समाज, शासन, उद्योग तथा राष्ट्र निर्माण के लिए उपयोगी सिद्ध हो।

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय SHODHCHAKRA Research Management System अपनाकर शोध प्रक्रिया का डिजिटलीकरण करने वाला प्रदेश का प्रथम विश्वविद्यालय बन गया है। इस प्रणाली के माध्यम से शोधार्थियों का पंजीकरण, शोध निर्देशक का आवंटन, शोध प्रगति की सतत निगरानी, शोध प्रबंध का मूल्यांकन तथा अन्य समस्त प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी एवं समयबद्ध बनाया जा रहा है। इससे शोध कार्यों की गुणवत्ता में वृद्धि होने के साथ-साथ प्रशासनिक दक्षता भी सुनिश्चित हुई है।

विश्वविद्यालय ने शोध को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों हेतु Enhance Studies Enhance Development (ESED) योजना प्रारम्भ की है। इस अभिनव योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के शिक्षकों को शोध परियोजनाओं के लिए दो लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों में स्वतंत्र अनुसंधान, नवाचार तथा समाजोपयोगी शोध की संस्कृति को प्रोत्साहित करना है। विश्वविद्यालय का विश्वास है कि गुणवत्तापूर्ण शोध ही उत्कृष्ट शिक्षण का आधार है तथा वही समाज के समक्ष नई संभावनाओं के द्वार खोलता है।

भारतीय ज्ञान परम्परा को अनुसंधान की मुख्यधारा से जोड़ना इस वर्ष की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक रहा। विश्वविद्यालय ने प्रत्येक शोध प्रबंध के प्रथम अध्याय में भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित विमर्श को अनिवार्य किया, ताकि शोध केवल पाश्चात्य सिद्धांतों तक सीमित न रहकर भारत की समृद्ध दार्शनिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक परम्पराओं से भी संवाद स्थापित कर सके। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप भारतीय ज्ञान प्रणाली की पुनर्स्थापन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ की स्थापना भी की गई है |

विश्वविद्यालय ने शोध प्रक्रिया में भारतीय शास्त्रार्थ परम्परा को भी पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है। शोधार्थियों को शोध की भारतीय परंपरा (विश्वविद्यालय के शोध अध्यादेशों मे इस हेतु परिवर्तन किया गया है) - तार्किक विमर्श, वैचारिक विश्लेषण तथा बौद्धिक संवाद- के माध्यम से अपने शोध को और अधिक प्रामाणिक एवं समृद्ध बनाने के लिए प्रेरित किया गया है। इससे शोध केवल औपचारिक डिग्री प्राप्त करने का माध्यम न रहकर ज्ञान-सृजन एवं बौद्धिक नेतृत्व का सशक्त साधन बन सकेगा।

शोध की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शोध प्रस्ताव (Synopsis) के प्रारूप में व्यापक संशोधन किए गए तथा नवीन Research Guidelines जारी की गई। शोध की सामाजिक उपयोगिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक शोधार्थी के शोधग्रंथ में Policy

Implications को अनिवार्य बनाया गया है, ताकि शोध के निष्कर्ष शासन, नीति-निर्माण, उद्योग एवं समाज के लिए प्रत्यक्ष रूप से उपयोगी बन सकें।

संबद्ध महाविद्यालयों में पीएच.डी. शुल्क की एकरूपता स्थापित कर निजी संस्थानों द्वारा अतिरिक्त शुल्क वसूली की प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया गया। इससे शोधार्थियों के आर्थिक हितों की रक्षा हुई तथा विश्वविद्यालय की शोध प्रणाली में समानता एवं पारदर्शिता को बढ़ावा मिला। संबद्ध महाविद्यालयों मे शोध को बढ़ावा मिले एवं संगोष्ठियों का आयोजन हो, इस हेतु कोष का प्रावधान किया गया है | विश्वविद्यालय ने त्रैमासिक 'त्रिवेणी' का प्रकाशन शुरू किया है जिसके चार अंक प्रकाशित हो चुके हैं |

शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक समृद्ध बनाने की दिशा में विश्वविद्यालय की विद्या परिषद द्वारा Recognized Professors की नियुक्ति संबंधी नीति को स्वीकृति प्रदान की गई। यह निर्णय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दूरदर्शी एवं परिवर्तनकारी पहल के रूप में देखा जा सकता है। इसके माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, वैज्ञानिक, शोधकर्ता तथा विशिष्ट अकादमिक विशेषज्ञ विश्वविद्यालय से संबद्ध होकर विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को अपने अनुभव, विशेषज्ञता, मार्गदर्शन तथा व्याख्यानों का लाभ प्रदान कर सकेंगे।

यह व्यवस्था न केवल वैश्विक अकादमिक संवाद को सुदृढ़ करेगी, बल्कि शोध की गुणवत्ता, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, नवाचार तथा ज्ञान-साझेदारी की संस्कृति को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगी। इससे विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय शैक्षणिक अनुभव प्राप्त होगा तथा विश्वविद्यालय की शोध एवं शिक्षण प्रणाली को वैश्विक उत्कृष्टता के मानकों से जोड़ने का अवसर मिलेगा।

सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को और अधिक सशक्त करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा कारगिल शहीदों के आश्रितों को शिक्षण शुल्क एवं परीक्षा शुल्क में शत-प्रतिशत छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया। यह पहल केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा हेतु सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों के परिवारों के प्रति कृतज्ञता, सम्मान तथा सामाजिक दायित्व की संवेदनशील अभिव्यक्ति है। इस निर्णय ने विश्वविद्यालय की छात्र कल्याण नीतियों को राष्ट्रीय सरोकारों से जोड़ते हुए समावेशी एवं संवेदनशील प्रशासन की नई पहचान स्थापित की।

उच्च शिक्षा में समान अवसर, पारदर्शिता तथा सुगम प्रवेश व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने कई दूरदर्शी संस्थागत सुधार प्रारम्भ किए। इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत राजस्थान कॉमन एडमिशन सिस्टम (Rajasthan Common Admission System/Common Admission Test) की अवधारणा विकसित कर उसका विस्तृत प्रस्ताव माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति तथा राजस्थान सरकार को प्रेषित किया गया।

इस प्रस्ताव का उद्देश्य राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए एकीकृत, पारदर्शी एवं तकनीक-सक्षम प्रवेश प्रणाली विकसित करना है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को एक ही मंच पर आवेदन, विकल्प चयन तथा प्रवेश की सुविधा उपलब्ध हो सके। इससे विद्यार्थियों पर अनेक प्रवेश प्रक्रियाओं का आर्थिक एवं प्रशासनिक भार कम होगा, पारदर्शिता बढ़ेगी, समय की बचत होगी तथा सम्पूर्ण राज्य के लिए एक प्रभावी Single Window Admission Mechanism विकसित किया जा सकेगा। यह पहल राजस्थान की उच्च शिक्षा व्यवस्था में संरचनात्मक सुधार की दिशा में एक दूरदर्शी नीति के रूप में महत्त्वपूर्ण है।

इन समस्त प्रयासों के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय में शोध का वातावरण अधिक उत्तरदायी, नवाचारी, भारतीय दृष्टि से समृद्ध तथा समाजोपयोगी बनकर उभरा है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान उत्कृष्टता का अग्रणी केन्द्र बनना है।

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग

वर्तमान समय में किसी भी विश्वविद्यालय की प्रगति का एक महत्वपूर्ण आधार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ उसका शैक्षणिक सहयोग है। इसी दृष्टिकोण को अपनाते हुए महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय ने विगत एक वर्ष में विभिन्न विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों एवं उद्योग जगत के साथ सहयोग का व्यापक विस्तार किया।

विश्वविद्यालय द्वारा लगभग पंद्रह प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) संपादित किए गए, जिनका उद्देश्य संयुक्त शोध, शिक्षक एवं विद्यार्थी विनिमय, कौशल विकास, नवाचार तथा अकादमिक सहयोग को प्रोत्साहित करना है। इस दिशा में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, संगम विश्वविद्यालय, Amity, डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ MoU किया गया है।

इसके अतिरिक्त गुजरात, जम्मू, हिमाचल प्रदेश तथा पंजाब के केंद्रीय विश्वविद्यालयों के साथ भी MoU की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई है। इन पहलों के माध्यम से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को राष्ट्रीय स्तर के संसाधनों, विशेषज्ञता एवं शोध अवसरों का लाभ प्राप्त होगा। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल औपचारिक समझौते करना नहीं, बल्कि ऐसे सहयोगात्मक तंत्र का निर्माण करना है जिसके माध्यम से संयुक्त शोध परियोजनाएँ, नवाचार, इंटर्नशिप, अकादमिक आदान-प्रदान तथा उद्योगोन्मुख शिक्षा को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जा सके। यह पहल विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी एवं वैश्विक दृष्टि से अधिक सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ एवं अकादमिक गतिविधियां

विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक वातावरण को जीवंत, संवादपरक एवं शोधोन्मुख बनाने के उद्देश्य से वर्षभर विभिन्न राष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन आयोजनों ने शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को समकालीन विषयों पर विचार-विमर्श एवं ज्ञान-विनिमय का प्रभावी मंच प्रदान किया।

इस अवधि में पंद्रह से अधिक राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। संविधान विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला के माध्यम से संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व तथा नागरिक कर्तव्यों पर सार्थक विमर्श हुआ। सिंधी भाषा पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला ने भारतीय भाषाई एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अतिरिक्त विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, भारतीय ज्ञान परम्परा, पर्यावरण, साहित्य, शिक्षा तथा समकालीन राष्ट्रीय विषयों पर राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया गया।

इन आयोजनों के माध्यम से विश्वविद्यालय ने स्वयं को केवल शिक्षण संस्था तक सीमित न रखते हुए ज्ञान, विचार एवं नवाचार के सक्रिय केन्द्र के रूप में स्थापित किया है।

शिक्षक विकास एवं मानव संसाधन

किसी भी विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता उसके शिक्षकों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की। मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से लगभग 2500 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, Outcome Based Education, भारतीय ज्ञान परम्परा, अनुसंधान पद्धति तथा आधुनिक शिक्षण तकनीकों से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

वर्षभर Orientation & Sensitization Programmes, Faculty Development Programmes, Refresher Courses तथा Short Term Courses का सफल आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षकों को नवीन शिक्षण पद्धतियों, डिजिटल तकनीकों, शोध नवाचार तथा विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण दृष्टिकोण से परिचित कराया गया।

शिक्षकों के कैरियर विकास को गति देने के लिए Career Advancement Scheme (CAS) के अंतर्गत लंबित पदोन्नति प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कर प्रक्रिया को अंतिम चरण तक पहुँचाया गया है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य योग्यता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के आधार पर शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को सुनिश्चित करना है।

कर्मचारी कल्याण एवं प्रशासनिक संवेदनशीलता

विश्वविद्यालय की प्रगति में शिक्षकों के साथ-साथ कर्मचारियों की भूमिका भी समान रूप से महत्वपूर्ण होती है। इसी भावना के अनुरूप कर्मचारी कल्याण को प्रशासन की प्रमुख प्राथमिकताओं में सम्मिलित किया गया। कर्मचारियों मे व्यावसायिक दक्षता हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समय- समय पर आयोजन किया गया।

विगत एक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने पेंशन कोष में अतिरिक्त पचास करोड़ रुपये का योगदान कर कर्मचारियों के भविष्य को अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। विभागीय पदोन्नति समिति (DPC) की प्रक्रिया को गति देते हुए उसे अंतिम चरण तक पहुँचाया गया है। शिक्षकों एवं कर्मचारियों के वर्षों से लंबित विभिन्न सेवा संबंधी प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया गया है तथा जिन मामलों में राज्य सरकार के स्तर पर निर्णय अपेक्षित था, उन्हें आवश्यक अभिमत सहित समयबद्ध रूप से प्रेषित किया गया। दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपात्मक नियुक्तियाँ प्रदान की गईं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने संवाद, पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता को अपनी कार्यशैली का आधार बनाया। कर्मचारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान, कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण, सेवा हितों की सुरक्षा तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं के सरलीकरण के माध्यम से एक सहभागी एवं उत्तरदायी प्रशासन विकसित करने का सतत प्रयास किया गया।

इन पहलों का परिणाम यह रहा कि विश्वविद्यालय में कार्य संस्कृति अधिक सकारात्मक, उत्तरदायी एवं समन्वयपूर्ण बनी, जिसने संस्थागत विकास की गति को और अधिक सुदृढ़ किया।

विद्यार्थी कल्याण एवं सशक्तिकरण

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय ने यह सुनिश्चित किया कि विश्वविद्यालय की प्रत्येक योजना का केन्द्र विद्यार्थी हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप विद्यार्थियों को केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं, बल्कि आर्थिक सहयोग, कौशल विकास, रोजगार मार्गदर्शन तथा व्यक्तित्व विकास के समुचित अवसर उपलब्ध कराने हेतु अनेक अभिनव पहल की गई।

इस दिशा में Learn Earn and Perform (LEaP) Scheme विश्वविद्यालय की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक रही। इस योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ-साथ विश्वविद्यालय में विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों में सहभागिता का अवसर प्रदान करते हुए आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित की गई। यह योजना विद्यार्थियों में कार्य-संस्कृति, आत्मनिर्भरता, उत्तरदायित्व तथा व्यावहारिक अनुभव विकसित करने की दिशा में एक अभिनव प्रयास है।

विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख बनाने के उद्देश्य से Finishing School की स्थापना की गई, जहाँ संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास, समूह चर्चा, साक्षात्कार कौशल, डिजिटल दक्षता तथा व्यावसायिक व्यवहार जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था विकसित की

गई है। इसके साथ ही Placement Cell को सक्रिय बनाकर उद्योगों एवं संस्थानों के साथ संवाद स्थापित किया गया ताकि विद्यार्थियों को रोजगार एवं इंटर्नशिप के अधिकाधिक अवसर प्राप्त हो सकें। इसका सुखद परिणाम यह हुआ है कि इस वर्ष लगभग 85% से अधिक विद्यार्थियों का नियोजन हुआ है। विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु Student Facilitation Centre स्थापित किया गया। इस केन्द्र के माध्यम से परीक्षा संबन्धित सेवाओं को एकीकृत रूप में उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित की गई है। साथ ही विश्वविद्यालय में NCC प्रारम्भ करने की प्रक्रिया को अंतिम चरण तक पहुँचाया गया है इसे वर्तमान अकादमिक सत्र से प्रारंभ कर दिया जाएगा। Rover and Scouts गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व, अनुशासन, सेवा भावना एवं राष्ट्रीय चेतना को प्रोत्साहित किया गया। इन पहलों का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि उत्तरदायी, आत्मनिर्भर, कुशल एवं राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध नागरिक के रूप में विकसित करना है। NSS विंग द्वारा स्वच्छता एवं रखरखाव से संबद्ध महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। विद्यार्थियों की विश्वविद्यालय तक सुगम पहुँच सुनिश्चित करने हेतु नगर निगम के माध्यम से सिटी बस सेवा विश्वविद्यालय तक संचालित हो रही है।

उद्योग–शिक्षा समन्वय एवं कौशल विकास

विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा को उद्योग एवं समाज की आवश्यकताओं से जोड़ने के उद्देश्य से उद्योग–शिक्षा समन्वय को विशेष प्राथमिकता प्रदान की। इस दिशा में नगर निगम, NASSCOM, इंजीनियरिंग महाविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन संपादित किए गए। इन सहयोगों का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, परियोजना कार्य तथा रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

विश्वविद्यालय ने Swadeshi Consortium की स्थापना का अभिनव निर्णय लिया, जिसके माध्यम से उद्योग, अनुसंधान संस्थानों, स्टार्टअप, नवाचार केन्द्रों तथा कौशल विकास संस्थाओं को एक साझा मंच पर लाने की परिकल्पना की गई। यह पहल आत्मनिर्भर भारत की भावना के अनुरूप स्थानीय ज्ञान, स्वदेशी तकनीक, उद्यमिता एवं नवाचार को प्रोत्साहित करेगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप Professor of Practice (Hon) की नियुक्ति की गई, जिससे उद्योग, प्रशासन, संस्कृति तथा सामाजिक क्षेत्र के अनुभवी विशेषज्ञ विद्यार्थियों के साथ अपने व्यावहारिक अनुभव साझा कर सकें। इससे शिक्षण को अधिक व्यवहारिक, समसामयिक एवं रोजगारपरक स्वरूप प्राप्त होगा।

रोजगारोन्मुख नवीन पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय ने बदलती वैश्विक परिस्थितियों एवं रोजगार बाजार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनेक नवीन एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए। MCA in Data Analytics, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence), साइबर सुरक्षा (Cyber Security) तथा डिजिटल मार्केटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में प्रमाण-पत्र एवं डिप्लोमा कार्यक्रम प्रारम्भ किए गए, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी दक्षता प्राप्त हो सके।

भारतीय ज्ञान परम्परा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एम.ए. संस्कृत (वैदिक वाङ्मय) प्रारम्भ किया गया। साथ ही एम.ए. अंग्रेजी कार्यक्रम को समकालीन वैश्विक आवश्यकताओं एवं बहुविषयक दृष्टिकोण के अनुरूप विकसित किया गया। विश्वविद्यालय की नीति स्पष्ट रही है कि प्रत्येक नया पाठ्यक्रम ज्ञान, कौशल, रोजगार एवं राष्ट्रीय आवश्यकताओं के मध्य संतुलन स्थापित करे।

डिजिटल प्रशासन एवं ई-गवर्नेंस

विश्वविद्यालय प्रशासन को पूर्णतः पारदर्शी, उत्तरदायी एवं समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से व्यापक डिजिटल सुधार लागू किए गए। Rajkaj Portal को अपनाकर प्रशासनिक प्रक्रियाओं का सुव्यवस्थित डिजिटलीकरण किया गया। प्रवेश, परीक्षा, ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन, पीएच.डी. वाइवा, माइग्रेशन, अंकतालिका एवं अन्य सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया, जिससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शीघ्र, पारदर्शी एवं सुविधाजनक सेवाएँ प्राप्त होने लगीं हैं।

प्रत्येक विभाग एवं अनुभाग को वार्षिक कार्य कैलेंडर तैयार करने के निर्देश दिए गए तथा विश्वविद्यालय स्तर पर Academic Calendar एवं Administrative Calendar लागू किए गए हैं। अवकाश प्रबंधन के लिए एकरूप Leave Format निर्धारित किया गया तथा उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए Incharge Officer System विकसित किया गया। इन सुधारों से प्रशासनिक कार्यप्रणाली अधिक अनुशासित, उत्तरदायी एवं परिणामोन्मुख बनी।

आधारभूत संरचना विकास

विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं अनुसंधान के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। RUSA के अंतर्गत लगभग 70 लाख के वैज्ञानिक उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई तथा इसके अतिरिक्त लगभग ₹1.80 करोड़ के आधुनिक उपकरणों की खरीद की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। इन उपकरणों से वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा सूक्ष्मजीव विज्ञान जैसे विभागों की प्रयोगशालाओं को सुदृढ़ बनाया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों के लिए आधुनिक फर्नीचर की व्यवस्था की गई, Video Conferencing Room स्थापित किया जा रहा है तथा शिक्षण को तकनीक-सक्षम बनाने के उद्देश्य से Smart Boards उपलब्ध कराए जाने की योजना है। इन पहलों का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को आधुनिक अधिगम वातावरण उपलब्ध कराना तथा विश्वविद्यालय को डिजिटल एवं अनुसंधान-समर्थ परिसर के रूप में विकसित करना है।

इस प्रकार विद्यार्थी कल्याण, कौशल विकास, डिजिटल प्रशासन एवं अधोसंरचना के क्षेत्रों में किए गए ये प्रयास विश्वविद्यालय को एक आधुनिक, उत्तरदायी, रोजगारपरक एवं विद्यार्थी-केंद्रित संस्थान के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हुए है।

हरित एवं पर्यावरणीय पहल

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय ने पर्यावरण संरक्षण को केवल एक कार्यक्रम के रूप में नहीं, बल्कि अपनी संस्थागत कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals) की भावना के अनुरूप विश्वविद्यालय ने हरित, स्वच्छ, ऊर्जा-कुशल एवं पर्यावरण-अनुकूल परिसर के विकास हेतु अनेक अभिनव पहलें प्रारम्भ कीं। इन प्रयासों का उद्देश्य विश्वविद्यालय को Green Campus, Smart Campus तथा Net Zero Carbon Campus के रूप में स्थापित करना है। विगत एक वर्ष में विश्वविद्यालय परिसर में Biofuel Campus की अवधारणा को मूर्त रूप प्रदान किया गया है। ऊर्जा संरक्षण एवं स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए Rooftop Solar System के विस्तार की कार्यवाही प्रारम्भ की गई है। जैविक अपशिष्टों के वैज्ञानिक प्रबंधन हेतु Compost Unit की स्थापना की गई तथा परिसर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (Solid Waste Management) की सुव्यवस्थित व्यवस्था विकसित की गई। कार्बन उत्सर्जन को कम करने के उद्देश्य से परिसर में Electric Vehicles के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया तथा पेट्रोल एवं डीजल आधारित वाहनों के उपयोग को चरणबद्ध रूप से सीमित करने की नीति अपनाई गई है।

कर्मयोग
कर्तव्य, अनुशासन और उत्कृष्टता का मार्ग
महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर
MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY, AJMER
1987
तीर्थराज पुष्कर
भारत के पवित्र सांस्कृतिक भूगोल में
श्रीमद्भगवद्गीता
भारतीय ज्ञान परंपरा
के अंतर्गत
महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय
अजमेर की अभिनव पहल
प्रकृति बोध
प्रकृति, पर्यावरण और सतत जीवन का ज्ञान
वैदिक विजन
महर्षि दयानंद सरस्वती का वैदिक दृष्टिकोण
कुलपति सचिवालय
पृथ्वी
जल
अग्नि
वायु
आकाश
मतदान संस्कार
लोकतंत्र, अधिकार और जिम्मेदार नागरिकता
अब विद्यार्थी पढेंगे
तीर्थराज पुष्कर • कर्मयोग • वैदिक विजन • प्रकृति बोध • मतदान संस्कार
भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत
मूल्य आधारित शिक्षा
संस्कार, नैतिकता और जीवन मूल्यों का विकास
अनुभवात्मक अधिगम
फील्ड विजिट, प्रोजेक्ट, समुदाय सहभागिता
व्यावहारिक कौशल
नेतृत्व, संवाद, निर्णय क्षमता और जीवन कौशल
राष्ट्र निर्माण
जिम्मेदार नागरिक, सशक्त भारत
राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप
मूल्य आधारित, अनुभवात्मक एवं राष्ट्रोन्मुख शिक्षा

पर्यावरण संरक्षण को तकनीकी नवाचार से जोड़ते हुए विश्वविद्यालय ने पौधों की QR Code आधारित Tagging तथा IoT आधारित Plant Monitoring System विकसित करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ किया। इससे प्रत्येक पौधे की प्रजाति, आयु, स्थान एवं संरक्षण की स्थिति का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जा सकेगा। परिसर में Bio Resource Centre की स्थापना तथा जैव विविधता संरक्षण के लिए व्यापक वृक्षारोपण अभियान संचालित किया गया है। इन पहलों ने विश्वविद्यालय को पर्यावरणीय उत्तरदायित्व एवं सतत विकास का एक अनुकरणीय मॉडल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार प्रदान किया है।

गुणवत्ता आश्वासन एवं सुशासन

विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी प्रशासन एवं उत्तरदायी कार्यसंस्कृति को संस्थागत रूप प्रदान करने हेतु अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस अवधि में विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह अत्यंत गरिमामय एवं सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें माननीय कुलाधिपति, राज्य सरकार के प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों तथा विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित विभूतियों की उपस्थिति ने विश्वविद्यालय की बढ़ती प्रतिष्ठा को नई पहचान प्रदान की। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री का संदेश प्राप्त होना विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय रहा।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) को और अधिक सक्रिय एवं सुदृढ़ बनाया गया। शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं शोध गतिविधियों के नियमित मूल्यांकन की प्रणाली विकसित की गई तथा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) की आगामी प्रत्यायन प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों में गुणवत्ता मानकों के अनुरूप आवश्यक तैयारियाँ प्रारम्भ की गई हैं। विश्वविद्यालय ने यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक शैक्षणिक एवं प्रशासनिक निर्णय गुणवत्ता, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व तथा समयबद्धता के सिद्धांतों पर आधारित हो।

परीक्षा सुधार : पारदर्शिता, विश्वसनीयता एवं समयबद्धता की नई व्यवस्था

विश्वविद्यालय ने परीक्षा प्रणाली को अधिक निष्पक्ष, पारदर्शी एवं तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में व्यापक सुधार लागू किए। नकल की प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं विद्यार्थी संगठनों के सहयोग से सुदृढ़ निगरानी व्यवस्था विकसित की गई। निजी महाविद्यालय परीक्षा केन्द्रों को समाप्त कर सरकारी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षाएं संपन्न हुई। विश्वविद्यालय में Centralized Examination Centres की अवधारणा को लागू किया गया है। मूल्यांकन प्रक्रिया में गति एवं पारदर्शिता लाने हेतु On Screen Marking System का विस्तार किया गया है, जिससे परिणामों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता दोनों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। परीक्षा से संबंधित अनेक सेवाओं का डिजिटलीकरण किया गया तथा विद्यार्थियों को समय पर परिणाम उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्य किया गया। नियमित शैक्षणिक सत्र बनाए रखने के लिए संबद्ध महाविद्यालयों के साथ सतत समन्वय स्थापित किया गया, जिससे विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद विश्वविद्यालय ने APEX महाविद्यालय को स्वायत्तशासी महाविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है।

खेल, संस्कृति एवं सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय का विश्वास है कि उत्कृष्ट शिक्षा का उद्देश्य केवल बौद्धिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के शारीरिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक व्यक्तित्व का समग्र विकास भी उतना ही आवश्यक है। इसी दृष्टिकोण के साथ विगत एक वर्ष में विश्वविद्यालय ने खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा प्रदान की।

विश्वविद्यालय परिसर में पहली बार अंतर महाविद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है, जिससे विद्यार्थियों में खेल भावना, नेतृत्व, अनुशासन एवं टीमवर्क की भावना विकसित हुई। इसी प्रकार अंतरमहाविद्यालयी सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के माध्यम से संगीत, नृत्य, नाटक, साहित्य एवं ललित कलाओं में विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए वाग्मिता (Elocution) में राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा West Zone प्रतियोगिताओं में अखिल भारतीय फ्री स्टाइल कुश्ती मे द्वितीय स्थान प्राप्त करके रजत पदक सहित अनेक विभिन्न पदक अर्जित कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

भारतीय संस्कृति, जीवन-मूल्य एवं विश्वविद्यालय की विशिष्ट पहचान

महर्षि दयानन्द सरस्वती के आदर्शों पर आधारित इस विश्वविद्यालय ने सदैव यह विश्वास किया है कि विकास भी हो और विरासत का संरक्षण भी हो। इस हेतु भारतीय संस्कृति, जीवन-मूल्यों एवं आध्यात्मिक परम्पराओं को विश्वविद्यालय की कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाने का सतत प्रयास हुआ है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के साथ भारतीय ज्ञान परम्परा का समन्वय स्थापित करते हुए विद्यार्थियों में नैतिकता, अनुशासन, कर्तव्यबोध एवं राष्ट्रभावना का विकास करना रहा है।

इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालय परिसर में प्रतिदिन गायत्री मंत्र का प्रसारण प्रारम्भ किया गया तथा दैनिक प्रार्थना की परम्परा स्थापित की गई। प्रत्येक सोमवार को सामूहिक प्रार्थना का आयोजन किया जाने लगा, जिससे विश्वविद्यालय परिवार में सामूहिकता एवं सकारात्मक कार्यसंस्कृति का विकास हुआ। प्रत्येक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम से पूर्व वैदिक परम्परा के अनुसार हवन आयोजित करने की परम्परा प्रारम्भ की गई। इन पहलों के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर में गुरुकुलीय वातावरण, भारतीय सांस्कृतिक चेतना एवं नैतिक मूल्यों पर आधारित एक विशिष्ट शैक्षणिक संस्कृति विकसित हुई, जिसने विश्वविद्यालय को प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों से एक विशिष्ट पहचान प्रदान की है।

राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व एवं संस्थागत प्रतिष्ठा

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय ने विगत एक वर्ष में न केवल संस्थागत स्तर पर उल्लेखनीय प्रगति की, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल को विभिन्न राष्ट्रीय शैक्षणिक एवं नीति-निर्माण संस्थाओं में महत्वपूर्ण दायित्व प्राप्त हुए, जिनसे विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

इस अवधि में कुलगुरु ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (RIE) के अध्यक्ष, CBSE की गवर्निंग बॉडी के सदस्य तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों के सिंडिकेट, प्रबंध मण्डल एवं चयन समिति सदस्य के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई। इन दायित्वों के माध्यम से विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर की नीतियों, नवाचारों तथा श्रेष्ठ शैक्षणिक परम्पराओं से जोड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय मंचों पर प्रभावी ढंग से हुआ, जिससे संस्थान की पहचान एक प्रगतिशील एवं दूरदर्शी विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित हुई।

प्रशासनिक एवं संस्थागत सुधार : उत्तरदायी एवं पारदर्शी प्रशासन की स्थापना

विश्वविद्यालय प्रशासन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाने के उद्देश्य से अनेक संस्थागत सुधार लागू किए गए। विश्वविद्यालय में डी.लिट्. (D.Litt.) उपाधि प्रदान करने की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई है, जिससे सामाजिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र में कार्यरत प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया जा सके।

शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों के डिजिटलीकरण की दिशा में Learning Management System (LMS) लागू करने की तैयारी प्रारम्भ की गई है। राज्य स्तर पर समान एवं पारदर्शी प्रवेश व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से Rajasthan Common Admission Services (RCAS) का प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को प्रेषित किया गया है। यह शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव पहल होगी।

आधारभूत संरचना एवं तकनीकी सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु दो अभियंताओं की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की गई। भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षक एवं कर्मचारी भर्ती की कार्ययोजना तैयार की गई। विश्वविद्यालय परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, रक्तदान शिविर तथा चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल कर्मियों के सम्मान जैसे सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रमों का सफल आयोजन भी किया गया। विद्यार्थियों को परीक्षा से तनाव मुक्त करने हेतु मनोचिकित्सक की सेवाएँ सुलभ कराई जा रहीं हैं।

वित्तीय अनुशासन एवं संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन

वित्तीय अनुशासन किसी भी संस्थान की दीर्घकालिक स्थिरता एवं विकास का आधार होता है। इस सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने वित्तीय प्रबंधन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी एवं मितव्ययी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

अनावश्यक व्यय पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करते हुए आउटसोर्सिंग व्यय में लगभग 25 प्रतिशत की कमी लाई गई है। विश्वविद्यालय द्वारा UGC को लगभग ₹90 लाख के लंबित UGC-MMTTC उपयोगिता प्रमाण-पत्र (Utilization Certificates) समयबद्ध रूप से प्रेषित किए गए, जिससे वित्तीय अनुपालन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई। खरीद प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए Rate Contract System लागू किया गया है।

सरकारी वाहनों के उपयोग में मितव्ययिता सुनिश्चित की गई तथा कुलगुरु द्वारा निजी वाहन उपयोग से प्राप्त राशि को विश्वविद्यालय कोष में जमा करने जैसी अभिनव पहल प्रारम्भ हुई। इन सुधारों से वित्तीय संसाधनों का अधिक विवेकपूर्ण एवं उत्तरदायी उपयोग सुनिश्चित हुआ है।

भवन रखरखाव एवं आधारभूत संरचना विस्तार

विश्वविद्यालय ने आधुनिक एवं सुविधासंपन्न परिसर के निर्माण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण रखरखाव एवं मरम्मत कार्य सम्पन्न किए। नागार्जुन भवन, वाल्मीकि भवन, चाणक्य भवन, महाराणा प्रताप भवन, धन्वन्तरी भवन, विश्वकर्मा भवन तथा शिक्षा संकुल सहित अनेक भवनों के मरम्मत एवं उन्नयन कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति हुई।

परिसर की सुरक्षा एवं सौन्दर्यीकरण के लिए सीमा दीवार (Boundary Wall), मुख्य प्रवेश द्वार, स्ट्रीट लाइटिंग तथा परिसर विकास के कार्यों को गति प्रदान की गई है। छात्रावासों का विकास, कुलगुरु सचिवालय, चाणक्य भवन आदि के छत की वाटरप्रूफिंग, मोटर गैरेज का निर्माण तथा ट्यूबवेल स्थापना जैसे कार्यों ने विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना को नई मजबूती प्रदान की है। विश्वविद्यालय के लगभग सभी भवनों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य जारी है।

अतिक्रमण मुक्त परिसर की दिशा में प्रभावी पहल

विश्वविद्यालय ने भूमि एवं परिसंपत्तियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अतिक्रमण हटाने की व्यापक कार्यवाही प्रारम्भ की है। रेलवे से संबंधित अतिक्रमण प्रकरण में उपखण्ड अधिकारी (SDM) स्तर पर आवश्यक आदेश प्राप्त किए गए तथा जिला प्रशासन के सहयोग से विश्वविद्यालय की भूमि का सीमांकन कराया गया।

कालबेलिया बस्ती सहित अन्य अनधिकृत कब्जों को हटाने की प्रक्रिया प्रारम्भ करने हेतु प्रयास जारी है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य अपनी समस्त परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए भविष्य के विकास कार्यों के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध कराना है।

आगामी कार्ययोजना : उत्कृष्टता की ओर अग्रसर विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय आगामी वर्षों में राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) से उच्च श्रेणी का प्रत्यायन प्राप्त करना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में सम्मिलित है। आगामी वर्षों में Learning Management System पर आधारित पूर्ण डिजिटल विश्वविद्यालय की स्थापना, शिक्षक एवं कर्मचारी भर्ती, शोध एवं नवाचार को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाना, उद्योग आधारित रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों का विस्तार, Campus Maintenance System लागू करना, वित्तीय अनुशासन को और अधिक सुदृढ़ बनाना, अतिक्रमण मुक्त परिसर का निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा CSR आधारित विकास कार्यों को गति देना विश्वविद्यालय की प्रमुख कार्ययोजनाओं में सम्मिलित है।

विश्वविद्यालय हरित एवं स्मार्ट परिसर की अवधारणा को और अधिक विस्तारित करते हुए पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा दक्षता तथा सतत विकास के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्वयं को स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

परिवर्तन, उत्कृष्टता और उत्तरदायित्व की एक वर्ष की यात्रा

दिनांक 23 जुलाई 2025 से 22 जुलाई 2026 तक की अवधि महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के इतिहास में परिवर्तन, नवाचार एवं संस्थागत पुनर्जागरण की अवधि के रूप में स्मरणीय रहेगी। यह परिवर्तन, उत्कृष्टता एवं उत्तरदायित्व पूर्णता की ओर अग्रसर होने की यात्रा थी। इस अवधि में विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, शोध एवं नवाचार, डिजिटल प्रशासन, परीक्षा सुधार, विद्यार्थी कल्याण, उद्योग–शिक्षा समन्वय, पर्यावरण संरक्षण, अधोसंरचना विकास, वित्तीय अनुशासन तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के पुनर्स्थापन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं।

इन प्रयासों ने विश्वविद्यालय को केवल प्रशासनिक दृष्टि से अधिक सक्षम नहीं बनाया, बल्कि उसे विद्यार्थी-केंद्रित, अनुसंधान-प्रधान, तकनीक-सक्षम, भारतीय ज्ञान परम्परा से अनुप्राणित तथा सुशासन आधारित आधुनिक विश्वविद्यालय के रूप में नई पहचान प्रदान की है।

विश्वविद्यालय परिवार पूर्ण विश्वास के साथ यह संकल्प दोहराता है कि माननीय कुलाधिपति महोदय के मार्गदर्शन, राज्य सरकार के सहयोग तथा समस्त शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों एवं समाज के सहयोग से महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय उत्कृष्टता के सर्वोच्च मानकों तक पहुँचाने हेतु निरंतर कार्य करता रहेगा।

मैं माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ, जिनके प्रेरणादायी मार्गदर्शन एवं संरक्षण से विश्वविद्यालय को निरंतर नई दिशा प्राप्त हुई। राज्य सरकार, उच्च शिक्षा विभाग, विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों तथा समाज के सभी हितधारकों के सहयोग के बिना यह परिवर्तन संभव नहीं था।

इसी सामूहिक प्रतिबद्धता के साथ विश्वविद्यालय भविष्य में भी उत्कृष्टता, नवाचार, भारतीयता एवं राष्ट्र निर्माण के अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ करता रहेगा।

बसंत पंचमी के अवसर पर विश्वविद्यालय में
माँ सरस्वती का पूजन करते कुलगुरु महोदय

गणतंत्र दिवस समारोह
को संबोधित करते कुलगुरु महोदय

गणतंत्र दिवस पर प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि
वितरित करते कुलगुरु महोदय

कैबिनेट मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत के निवास पर शोक संवेदना व्यक्त
करते कुलगुरु महोदय, साथ में केंद्रीय मंत्री श्री भागीरथ सिंह चौधरी

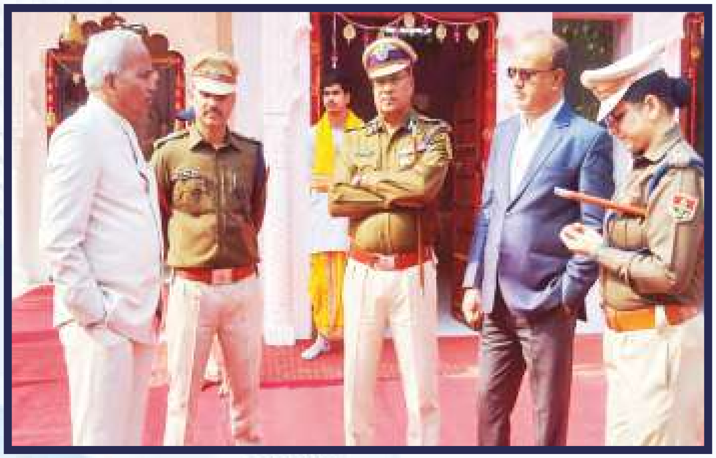

माननीय राज्यपाल महोदय के पुष्कर आगमन पर जिला प्रशासन के
अधिकारियों के साथ चर्चा करते कुलगुरु महोदय

"लोकतंत्र और मीडिया" विषय पर आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान
पत्रिका के प्रधान संपादक श्री गुलाबचंद कोठारी के साथ कुलगुरु महोदय

गणतंत्र दिवस समारोह में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार

विश्वविद्यालय के प्रत्येक कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ के साथ करते कुलगुरु

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यशाला का उद्घाटन करते उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा; साथ में मंचासीन अतिथिगण

अंबेडकर जयंती समारोह में मंचासीन विशिष्ट अतिथिगण

पृथ्वीराज जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्री ओंकार सिंह लखावत का उद्बोधन; साथ में कुलगुरु

संविधान पार्क के उद्घाटन अवसर पर माननीय राज्यपाल का अभिनंदन करते कुलगुरु

आर्यन कॉलेज के साथ समझौता ज्ञापन के अवसर पर कुलगुरु एवं अन्य अतिथिगण

एक वर्ष की उपलब्धियों का प्रतिवेदन लोक भवन में माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े को प्रस्तुत करते कुलगुरु

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित योग शिविर को संबोधित करते कुलगुरु

योग शिविर में सहभागिता करते कुलगुरु

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में वाग्मिता प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा परी कोठारी

आर्यभट्ट कॉलेज के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते कुलगुरु एवं अन्य अधिकारी

विद्या परिषद् की बैठक की अध्यक्षता करते कुलगुरु महोदय

अंतरमहाविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर संभागीय आयुक्त के साथ कुलगुरु महोदय

Saint Stephen महाविद्यालय, किशनगढ़ के साथ MoU के अवसर पर कुलगुरु महोदय एवं अन्य

अंतरमहाविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में पद्मश्री श्री फकरुद्दीन मेवाती के साथ कुलगुरु महोदय

अंतरमहाविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता के अवसर पर प्रो. त्रिभुवन शर्मा एवं प्रतिभागियों के साथ कुलगुरु महोदय

अंतरमहाविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विजेता विद्यार्थियों के साथ कुलगुरु महोदय

गांधी जयंती पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते कुलगुरु महोदय

राजकीय कन्या महाविद्यालय, किशनगढ़ के वार्षिकोत्सव में छात्राओं को सम्मानित करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों की समस्याएँ सुनते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय की परीक्षा सामग्री लेकर जाने वाले वाहनों को रवाना करते कुलगुरु महोदय

युवा महोत्सव हेतु विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक दल को रवाना करते कुलगुरु महोदय

आनंद (गुजरात) युवा महोत्सव में नाट्य प्रतियोगिता हेतु विश्वविद्यालय का सांस्कृतिक दल

पश्चिमांचल युवा महोत्सव, आनंद (गुजरात) में विजेता छात्रा परी कोठारी एवं सांस्कृतिक दल के प्रबंधकगण

मातृ दिवस के अवसर पर अपनी पूज्य माताजी के साथ कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में विद्यार्थियों से संवाद करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय पधारे संत पाठक जी महाराज का स्वागत करते कुलगुरु महोदय

माननीय श्री निंबाराम जी के साथ आत्मीय चर्चा करते कुलगुरु महोदय

भारत विकास परिषद के कार्यक्रम का उद्घाटन करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय में आयोजित निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
परीक्षण शिविर का उद्घाटन करते कुलगुरु महोदय

स्वदेशी शोध संस्थान के साथ समझौता
ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते कुलगुरु महोदय

महिला दिवस पर आयोजित 'सशक्त नारी' विषयक विमर्श में
विधायक श्रीमती अनीता भदेल का सम्मान करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय की खेल प्रतियोगिताओं के समापन समारोह में SDM
गरिमा नरूरला के साथ कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल के सदस्यों को परिसर का अवलोकन
कराते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं
शिक्षकों के साथ कुलगुरु महोदय

अग्रवाल सम्मेलन द्वारा
कुलगुरु महोदय का अभिनंदन

डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के साथ
एमओयू के अवसर पर दोनों विश्वविद्यालयों के कुलगुरु

प्रख्यात स्वदेशी चिंतक एवं विचारक प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा
का स्वागत करते कुलगुरु महोदय

अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा श्री कुलदीप रांका
का स्वागत करते कुलगुरु महोदय

आर्य समाज के प्रतिनिधि डॉ. गोपाल बाहेती की शिष्टाचार भेंट
के अवसर पर कुलगुरु महोदय

इंडियन पोस्ट पेमेंट्स बैंक के साथ समझौता ज्ञापन के
अवसर पर आमंत्रित अतिथिगण

विश्वविद्यालय की विभिन्न विकासात्मक
गतिविधियों के अवसर पर कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय के मैत्रेयी भवन
का निरीक्षण करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय में वर्मी कम्पोस्ट इकाई एवं
प्रयोगशाला का निरीक्षण करते कुलगुरु महोदय

पृथ्वी दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के साथ पर्यावरण संरक्षण का
संदेश देते कुलगुरु महोदय

शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में
सहभागिता करते कुलगुरु महोदय

शिक्षा विभाग के सांस्कृतिक कार्यक्रम
में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते कुलगुरु महोदय

अस्वस्थ विश्वविद्यालय कर्मचारी श्री गोपाराम का कुशलक्षेम
जानने पहुँचे कुलगुरु महोदय

प्राणी शास्त्र विभाग की Freshers' Party के उपरांत विद्यार्थियों के
साथ कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय के गोपनीय विभाग में कर्मचारियों
से कार्य-समीक्षा करते कुलगुरु महोदय

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों के
साथ कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय के अतिथि शिक्षकों के
साथ संवाद करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनके परिजनों
के साथ कुलगुरु महोदय

बोर्ड ऑफ स्टडीज़ हेतु पधारे विषय विशेषज्ञों के साथ
शैक्षणिक विमर्श करते कुलगुरु महोदय प्रायः सभी बोर्ड ऑफ स्टडीज
से संवाद कुलगुरू महोदय स्वयं करते है

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ समझौता ज्ञापन के
अवसर पर कुलगुरु महोदय

एनसीसी कैडेट्स के दस दिवसीय शिविर के
समापन समारोह को संबोधित करते कुलगुरु महोदय

राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, अजमेर में गुरु वंदन कार्यक्रम के
मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय की प्रार्थना सभा को संबोधित करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय के चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल कर्मियों का सम्मान
करते कुलगुरु महोदय

विद्या परिषद् की बैठक की अध्यक्षता करते
कुलगुरु महोदय

प्रबंध मंडल सदस्य एवं विधायक श्री वीरेन्द्र सिंह कानावत का स्वागत
करते कुलगुरु महोदय

थैलेसीमिया जागरूकता संगोष्ठी में उपस्थित कुलगुरु महोदय एवं अन्य
अतिथिगण

सनातन धर्म महाविद्यालय, ब्यावर के संगीत विभाग के विद्यार्थियों एवं
शिक्षकों के साथ कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय प्रवेश प्रक्रिया के शुभारंभ पर आयोजित पत्रकार वार्ता
को संबोधित करते कुलगुरु महोदय

एफएम चैनल को विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर साक्षात्कार देते
कुलगुरु महोदय

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से संवाद करते कुलगुरु महोदय

राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष की शिष्टाचार भेंट के अवसर पर कुलगुरु महोदय

डिज़ाइन ई कॉलेज के साथ समझौता ज्ञापन के अवसर पर कुलगुरु महोदय

एमईटी विश्वविद्यालय, जयपुर के साथ समझौता ज्ञापन के अवसर पर कुलगुरु महोदय

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण करते कुलगुरु महोदय

संविधान दिवस के अवसर पर भारत माता के चरणों में पुष्पार्पण करते माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय

भीलवाड़ा के माननीय सांसद श्री दामोदर अग्रवाल का स्वागत करते कुलगुरु महोदय

संगम विश्वविद्यालय, भीलवाड़ा के साथ समझौता ज्ञापन के अवसर पर कुलगुरु महोदय

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के पत्रक का विमोचन करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय में पूर्व कुलपति, एम.एल.एस. विश्वविद्यालय उदयपुर प्रो. बी.एल. चौधरी एवं प्रबंध मण्डल सदस्य प्रो. दिग्विजय सिंह शेखावत के साथ कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय में स्वदेशी कंसोर्टियम की स्थापना संबंधी तैयारियों का अवलोकन करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक विरासत संरक्षण अभियान का शुभारंभ करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय के अतिथि शिक्षकों के साथ संवाद करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय में एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न वृक्षों पर क्यूआर कोड टैगिंग का शुभारंभ करते कुलगुरु महोदय

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संगठन मंत्री श्री महेंद्र कपूर का स्वागत करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय में पधारे अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पदाधिकारी प्रो. कौशिक का स्वागत करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय की प्रगति का विवरण प्रस्तुत करते कुलगुरु महोदय; साथ में निदेशक जनसम्पर्क डॉ. राजेश व्यास

विश्वविद्यालय की एक वर्ष की उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत करते कुलगुरु महोदय; साथ में संयुक्त सचिव, उच्च शिक्षा डॉ. मुकेश कुमार शर्मा

उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव डॉ. मुकेश कुमार शर्मा के साथ कुलगुरु महोदय

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय की अध्यक्षता में लोक भवन, राजस्थान में आयोजित कुलगुरु समन्वय समिति की बैठक में सहभागिता करते कुलगुरुगण

पर्यावरण विभाग एवं अपना संस्थान द्वारा आयोजित पर्यावरण कार्यशाला की अध्यक्षता करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के छात्र स्वच्छता अभियान में सहभागिता करते हुए

महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती के अवसर पर आयोजित यज्ञ में आहुति अर्पित करते कुलगुरु महोदय

नारद जयंती समारोह के अवसर पर आयोजित पत्रकार गोष्ठी की अध्यक्षता करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय के विश्वकर्मा भवन का निरीक्षण करते कुलगुरु महोदय

विश्वविद्यालय के त्रयोदश दीक्षांत समारोह में उपाधियाँ प्रदान करते माननीय राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी, साथ में श्री सुरेश सिंह रावत एवं कुलगुरु

विश्वविद्यालय के त्रयोदश दीक्षांत समारोह में मंचासीन विशिष्ट अतिथिगण

पदभार ग्रहण करने के उपरांत राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी से शिष्टाचार भेंट करते कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल

संविधान दिवस समारोह में विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका'त्रिवेणी'का विमोचन करते माननीय राज्यपाल; साथ में कुलगुरु एवं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष

संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते माननीय राज्यपाल

संविधान दिवस के अवसर पर सुसज्जित एवं आलोकित विश्वविद्यालय का संविधान पार्क

विश्वविद्यालय के 38वें स्थापना दिवस समारोह में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी का अभिनंदन करते कुलगुरु

'नीति से परिवर्तन तक : राष्ट्रीय शिक्षा नीति'विषयक कार्यशाला में मंचासीन अतिथियों के साथ कुलगुरु

सोफिया स्वायत्तशासी महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में सहभागिता करते कुलगुरु

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर प्रदर्शनी का उद्घाटन करते
विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी एवं कुलगुरु

विश्वविद्यालय परिसर में तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाते कुलगुरु

अखंड भारत दिवस समारोह को संबोधित करते कुलगुरु; साथ में
प्रख्यात शिक्षाविद् एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष
श्री हनुमान सिंह राठौड़

नागौर क्षेत्र के महाविद्यालयों के औचक निरीक्षण के दौरान कुलगुरु

दयानंद महाविद्यालय, अजमेर में 38वीं अंतरमहाविद्यालय खेल
प्रतियोगिता का उद्घाटन करते कुलगुरु

प्रो. सुशील कुमार बिसू को राजस्थान लोक सेवा आयोग का सदस्य
नियुक्त होने पर शुभकामनाएँ देते कुलगुरु

ईटी राजस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति कार्यशाला में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते कुलगुरु

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित संगोष्ठी में सहभागिता करते कुलगुरु ने प्रतिष्ठित प्रो. आर.के. कौल मेमारियल व्याख्यान भी दिया

विश्वविद्यालय आगमन पर माननीय राज्यपाल को विश्वविद्यालय का प्रस्तुतीकरण देते कुलगुरु

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के सांस्कृतिक समारोह का अवलोकन करते कुलगुरु

संविधान दिवस समारोह की तैयारियों का जायजा लेते कुलगुरु

जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित करते कुलगुरु

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या कार्यक्रम की पुस्तिका का विमोचन करते कुलगुरु

इतिहास विभाग के विद्यार्थियों द्वारा पांडुलिपि संरक्षण प्रक्रिया का अवलोकन

सामाजिक सरोकार के अंतर्गत स्वच्छता अभियान में सहभागिता करते विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

संगम विश्वविद्यालय, भीलवाड़ा द्वारा आयोजित संगोष्ठी में उपस्थित कुलगुरु

शोध कार्यशाला के समापन पर शोधार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करते कुलगुरु

अंतरमहाविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता के अवसर पर विशेष प्रकाशन का विमोचन करते कुलगुरु

राजस्थान ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कुलगुरु

पर्यावरण विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों एवं विशेषज्ञों से चर्चा करते कुलगुरु

राजकीय कन्या महाविद्यालय, किशनगढ़ में स्किल डेवलपमेंट कार्यशाला के उत्पादों का अवलोकन करते कुलगुरु

बीकानेर में कर्तव्यबोध दिवस समारोह को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते कुलगुरु

नेट एवं जेआरएफ में सफल विद्यार्थियों का अभिनंदन करते कुलगुरु

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते कुलगुरु

महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती समारोह में मंचासीन विशिष्ट अतिथिगण

राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यशाला को संबोधित करते कुलगुरु

सनातन धर्म कॉलेज, ब्यावर में संगीत स्टूडियो का उद्घाटन करते कुलगुरु

पश्चिम क्षेत्रीय प्रतियोगिता में कुश्ती (फ्री-स्टाइल) में रजत पदक विजेता छात्रा कशिश गुर्जर

उद्यमिता यात्रा के उद्घाटन समारोह में मंचासीन विशिष्ट अतिथियों के साथ कुलगुरु

जनसरोकार के अंतर्गत ग्राम घुघरा में आयोजित चिकित्सा शिविर में उपस्थित कुलगुरु

विश्वविद्यालय की पुनर्निर्मित वेबसाइट का लोकार्पण करते माननीय राज्यपाल; साथ में कुलगुरु

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ संवाद करते कुलगुरु

विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों के साथ विश्वविद्यालय की प्रगति पर चर्चा करते कुलगुरु

सिंधु शोध पीठ द्वारा आयोजित सिंधी विषयक कार्यशाला का आयोजन

विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करते कुलगुरु

'विकसित भारत और वेद'विषयक कार्यशाला में विशिष्ट अतिथियों के साथ कुलगुरु

पर्यावरण चेतना एवं जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते कुलगुरु

गार्गी महिला छात्रावास की छात्राओं हेतु स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन कुलगुरु के निर्देशन में

ग्रीष्मकाल में पक्षियों के लिए परिंडे लगाने के अभियान का नेतृत्व करते कुलगुरु

राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री ओंकार सिंह लखावत से आत्मीय भेंट करते कुलगुरु

अनुभवात्मक प्रशिक्षण के तहत पर्यावरण विभाग के विद्यार्थियों द्वारा वेदांता खदान क्षेत्र का व्यवहारिक अध्ययन एवं सर्वेक्षण

पर्यावरण विभाग की संगोष्ठी में विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलगुरु

पर्यावरण विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते कुलगुरु

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री भागीरथ सिंह चौधरी का सम्मान करते कुलगुरु

महाराणा प्रताप स्मारक पर आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते कुलगुरु

स्वदेशी कंसोर्टियम की स्थापना हेतु विश्वकर्मा भवन का निरीक्षण एवं संभावनाओं का अवलोकन करते कुलगुरु

विद्यार्थियों की समस्याएँ सुनते एवं समाधान पर चर्चा करते कुलगुरु

विश्वविद्यालय परिसर के प्रत्येक वृक्ष पर क्यूआर कोड टैगिंग का शुभारंभ करते कुलगुरु

नचिकेता छात्रावास की पेयजल समस्या के समाधान हेतु नए नलकूप की खुदाई का शुभारंभ करते कुलगुरु

महिला दिवस समारोह में विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका'त्रिवेणी'का विमोचन करते कुलगुरु

विश्वविद्यालय की प्रबंध मंडल बैठक की अध्यक्षता करते कुलगुरु

एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर आयोजित धन्यवाद समारोह को संबोधित करते कुलगुरु

'भारत के विकास में सिंधी समुदाय का योगदान'विषयक संगोष्ठी में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी

MDSU in Print Media

दैनिक नवज्योति

युवाओं को भारत की सेवा का दायित्व निभाना होगा-राठौड़

Dainik Navajyoti

Publishing since 1936 | visit dainiknavajyoti.com for latest news of Rajasthan in hindi

दैनिक नवज्योति

एमडीएसयू कैम्पस में विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क ई-रिक्शा सेवा प्रारंभ

पूर्व छात्र व भामाशाह सिंह ने पांच ई-रिक्शा किए भेंट

GROWING INDIA

27 Jul 2025 - Page 3

Tree Plantation Drive Held at MDS University, Following Governor's Directive

Ajmer: A tree plantation drive was organized today at Maharshi Dayanand Saraswati (MDS) University, Ajmer, following the directive of Rajasthan Governor and Chancellor Haribhau Bagde. Around 101 saplings were planted in the area behind the university's open theatre extending to the Constitution Park. The responsibility of nurturing these plants has been assigned to students, faculty members, and university staff, reinforcing a sense of collective environmental duty among the university community. Speaking on the occasion, Vice Chancellor Prof. Suresh Kumar Agrawal emphasized that the initiative to conserve nature and protect the environment will continue as an ongoing campaign at MDS

GROWING INDIA

'Akhand Bharat signifies not just geographical unity but also cultural and spiritual consciousness' – Rathore

Message of Cultural Unity on Akhand Bharat Day

शोध में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं आधुनिक विज्ञान का संगम हो-प्रो. अग्रवाल

अजमेर 14-08-2025

GROWING INDIA

Prof. Suresh Kumar Agrawal Takes Charge as New Vice Chancellor of MDS University

एमडीएसयू में डिजिटल मूल्यांकन सिस्टम शु...

विद्यार्थियों को विडियोज़ बताएंगे-ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाक में कैसे तबाह किए थे आतंकी ठिकाने

अजमेर 17-11-2025

एमडीएसयू की भूमि पर तो अंशदान बनाने की सूझ

th Academic Council Meeting at MDSU Focuses on NEP Implementation and Curriculum Reforms

दैनिक नवज्योति

Ajmer City - 27 Jul 2025 - Page 6

कुलगुरु प्रो. अग्रवाल का अभिनंदन

अजमेर। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की ओर से महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी के कुलगुरु प्रो. सुरेश अग्रवाल का अभिनंदन किया गया। जिला महामंत्री उमेश गर्ग ने बताया कि युवा संरक्षक कालीचरण दास खंडेलवाल के नेतृत्व में यूनिवर्सिटी में अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के लिए सदैव तत्पर रहा है। भामाशाह के रूप में वैश्य समाज की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। भारतीय समाज में शिक्षा के विकास में, समाज उत्थान में, दानदाता के रूप में, वैश्य समाज सदैव अग्रणी रहा है। प्रतिनिधिमंडल में जिला प्रभारी सुभाष नवाल, जिला अध्यक्ष रमेश तापड़िया, सूरज नारायण लाखोटिया, ओमप्रकाश बिजयवर्गीय आदि शामिल थे।

क्लीन एंड ग्रीन कैंपस • पूर्व छात्र ने 5 ई-रिक्शा प्रेजेंट किए, वीसी ने हरी झंडी दिखा रवाना किया

एमडीएसयू कैंपस में विद्यार्थी एक विभाग से दूसरे विभाग ई-रिक्शा से आ-जा सकेंगे

दैनिक नवज्योति

Ajmer City - 27 Jul 2025 - Page 2

आईसीआईसीआई बैंक में तीन विद्यार्थियों का चयन

पृथ्वीराज नगर योजना में सड़कों की मरम्मत

दैनिक नवज्योति

ajmer city - 04 Sep 2025 - Page 6

परिसर में कार्यालयों-भवनों तक पैदल चलेंगे या ई-रिक्शा का उपयोग करेंगे

मदस विश्वविद्यालय में निर्धारित स्थान पर करने होंगे वाहन पार्क

निवास से कार्यालय तक ई-रिक्शा से पहुंचे कुलगुरु

परिसर में यहां की गई है ई-रिक्शा की व्यवस्था

तिरंगा राष्ट्रीय एकता, अखंडता व स्वाभिमान का प्रतीक-कुलगुरु

दैनिक नवज्योति

ajmer - 08 Aug 2025 - Page 14

एमडीएस विवि के परीक्षा विभाग में डिजीटल मूल्यांकन प्रणाली की शुरुआत

Newly Appointed MDSU Ajmer Vice-Chancellor Meets Governor and Assembly Speaker

...ee E-Rickshaw Service Launched f... ...ents at MDSU Clean and Green Cam...

दैनिक नवज्योति

एमडीएसयू में लगाए सौ खेजड़ी के पेड़

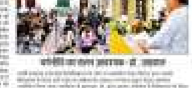

GROWING INDIA

Jaipur, Friday, 08 August 2025

"A MILESTONE IN THE DIRECTION OF TRANSPARENCY" - PROF. AGRAWAL

ON-SCREEN MARKING SYSTEM BRINGS NEW ERA IN UNIVERSITY EXAM DEPARTMENT

शिक्षा में पुनर्जागरण की आवश्यकता-प्रो. अग्रवाल

दैनिक नवज्योति

आयुर्वेद एवं आधुनिक फार्मेसी को जोड़कर हो शोध-कुलगुरु

मदस विवि: स्वास्थ्य केंद्र में परीक्षण सुविधाओं को शीघ्र प्रारंभ करें-अग्रवाल

दैनिक नवज्योति ajmer city - 27 Aug 2025 - Page 8

युवाओं को भारत की सेवा का दायित्व निभाना होगा-राठौड़

मदस विश्वविद्यालय में अखंड भारत दिवस पर व्याख्यान

आवक समाज ने कुलगुरु प्रो. अग्रवाल का किया अभिनंदन

GROWING INDIA

9th Academic Council Meeting at MDSU Focuses on NEP 2020 Implementation and Curriculum Reform

By Mohit Jain

Growing India

मदस विवि: स्वास्थ्य केंद्र में परीक्षण सुविधाओं को शीघ्र प्रारंभ करें-अग्रवाल

दैनिक भास्कर अजमेर 25-04-2026

समाज हित में शोध ही असली शिक्षा, युवा नौकरी की बजाय उद्यमिता को चुनें: कुलगुरु प्रो. अग्रवाल

पांच दिवसीय फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम शुरू

एआई ने मानव की रचनात्मकता व मौलिकता प्रभावित की : प्रो. अग्रवाल

दो पुस्तकों का हुआ विमोचन

युवा डिग्री लेने के साथ विकसित करें शोध व चिंतन क्षमता- देवनानी

एमडीएस विवि परिसर में संचालित सभी शिक्षण विभागों की परीक्षाएं अब एक ही स्थान पर होंगी

एकीकृत परीक्षा केंद्र की आवश्यकता को मिलेगा मूर्तरूप

एमडीएस विवि के कुलगुरु ने गोलमेज सम्मेलन में निभाई भागीदारी

रोज़गार हेतु सशक्तिकरण : कौशल से करियर तक पर गोलमेज सम्मेलन

कर्मठ विज़न/ जयपुर।

ईटी एजुकेशन द्वारा रोज़गार हेतु सशक्तिकरण : कौशल से करियर तक-विषय पर जयपुर के मैरियट होटल में एक महत्वपूर्ण गोलमेज चर्चा आयोजित हुई। इसमें शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और नीति-निर्माताओं ने शिक्षा एवं रोजगार के बदलते स्वरूप पर विचार-विमर्श किया। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा जगत में ऐतिहासिक बदलाव है। यह रटने की परंपरा से आगे बढ़कर विद्यार्थियों को कौशल-आधारित, बहुविषयक और व्यावसायिक शिक्षा की ओर प्रेरित करती है, जिससे वे रोजगार के लिए पूरी तरह तैयार हो रहे हैं। चर्चा में विशेषज्ञों ने रेखांकित किया कि एनईपी 2020 अकादमिक जगत और उद्योग जगत के बीच मजबूत सेतु का कार्य कर रही है। इससे भारत का युवा वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप अपने कौशल का प्रदर्शन कर पाएगा। कार्यक्रम का समापन इस आह्वान के साथ हुआ कि विश्वविद्यालय, उद्योग और नीति-निर्माता आपसी सहयोग बढ़ाकर युवाओं को कौशल से करियर की ओर अग्रसर करें।

भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की पहल, रोस्टर रजिस्टर को किया सार्वजनिक

शिक्षा तभी सार्थक, जब समाज के हित में उतरें शोध - कुलगुरु

प्राणीशास्त्र विभाग में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

उत्तर पुस्तिकाओं के त्वरित मूल्यांकन पर जोर

राज्यपाल ने नैक ग्रेडिंग को अच्छी बताया, विवि. की कम आय पर जताई चिंता

शिक्षा हो रोजगारोन्मुखी, पात्र विद्यार्थियों को मिले छात्रवृत्ति- राज्यपाल बागडे

...mer university starts social me... ...motion to compete with pvt va...

पत्रकारिता को तकनीकी दक्षता के साथ नैतिक विवेक से भी लैस होने की जरुरत-अग्रवाल

कैम्पस अपडेट

एमडीएस यूनिवर्सिटी: चाणक्य भवन में बौद्धिक ईमानदारी दिवस के रूप में गणेश चतुर्थी के उत्सव का आयोजन हुआ

अजमेर| एमडीएसयू अजमेर ने गणेश चतुर्थी को इस वर्ष एक अनूठे अंदाज में "बौद्धिक ईमानदारी दिवस" के रूप में मनाया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों में शैक्षणिक ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों के महत्व को रेखांकित करना रहा। ...

दैनिक भास्कर अजमेर 16-09-2025

हाजिरी रजिस्टर में हस्ताक्षर करना जरूरी, पहले दिन कुलगुरु ने भी हस्ताक्षर किए

एमडीएस यूनिवर्सिटी• शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्था पारदर्शी बनाने की पहल

कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल।

छात्राओं की सुरक्षा और सम्मान से कोई समझौता नहीं- कुलगुरु

Purple-Rumped Sunbird Spotted in Ajmer

AJMER, 1 NOV

'विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी प्रत्येक प्रक्रिया मिशन मोड में पूरी की जाए' -कुलगुरु प्रो. अग्रवाल

विश्वविद्यालय विद्यार्थी को कोचिंग संस्थानों की तरह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराएं: बागडे

समाचार जगत — प्रादेशिक

विश्वविद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा उपयुक्त शुल्क लें

शिक्षा मंदिरों में आर्थिक शुचिता व पारदर्शिता अनिवार्य : बागड़े

'अनुशासन व राष्ट्रसेवा ही युवा शक्ति की पहचान'

अजमेर @ पत्रिका. अनुशासन और राष्ट्रसेवा ही युवा शक्ति की पहचान है। यह बात महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने रविवार को राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल में आयोजित एनसीसी कैम्प के समापन समारोह में कही। उन्होंने कहा कि एनसीसी केवल सैन्य प्रशिक्षण का माध्यम नहीं है, यह व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व विकास और राष्ट्रीय एकता की सशक्त प्रयोगशाला है।

दैनिक भास्कर — अजमेर 26-09-2025

एमडीएसयू: शिविर में 78 यूनिट रक्तदान

दैनिक भास्कर — अजमेर 26-09-2025

इंटर कॉलेज योगासन: 7 टीमों ने प्रदर्शन किया, एमडीएसयू विजेता, रीजनल कॉलेज उपविजेता

अनुशासन और राष्ट्र सेवा ही युवा शक्ति की असली पहचान

मिलिट्री स्कूल में एनसीसी कैंप के समापन समारोह में बोले कुलगुरु

राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाने वाली हो पत्रकारिता

नारद जयंती के उपलक्ष्य में हुई विचार गोष्ठी

महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, जागरूकता रैली निकाली

कार्स/अजमेर। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के धन्वंतरी आरोग्य भवन में मंगलवार को केन्द्र सरकार के अभियान 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' के अंतर्गत फार्मेसी विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के सहयोग से नि:शुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। इससे पूर्व फार्मेसी विभाग के विद्यार्थियों की 'पहला सुख, निरोगी काया' थीम आधारित स्वास्थ्य जागरूकता रैली को विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का उद्घाटन करते हुए कुलगुरु ने कहा कि 'परिवार का आधार है, स्वस्थ नारी, इसमें में हो हम सब की भागीदारी' इसी के निमित्त विश्वविद्यालय में शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं एवं कायड़, घूघरा, बैंक कॉलोनी की महिलाओं का रक्तचाप, शुगर, हीमोग्लोबिन व रक्त समूह का परीक्षण कर चिकित्सकीय परामर्श के बाद नि:शुल्क औषधियां भी दी गईं। स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी डॉ. राजू शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। फार्मेसी विभाग के प्रभारी प्रो. अरविन्द पारीक ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वित्त नियंत्रक नेहा शर्मा, डॉ. आशीष पारीक, डॉ. लारा शर्मा, डॉ. असीम जयंती, डॉ. अशोक गुप्ता, डॉ. नितिन शर्मा, डॉ. पी.के. माथुर, वैद्य चन्द्रकांत चतुर्वेदी सहित जगदीश कच्छावा, सुन्दर कुमार, दीपिका राठौर, मनीषा, दीपक चौधरी सहित फार्मेसी विभाग के अतिथि शिक्षक उपस्थित रहे।

महस विधि में शिविर आयोजित

राज का स्वराज

शोर से परे पत्रकारिता : सत्य, समाज और राष्ट्र की नई चुनौती

GROWING INDIA

SURPRISE INSPECTIONS OF GOVERNMENT COLLEGES

MDSU Vice-Chancellor Conducts Surprise Inspection of Government Colleges

GROWING INDIA

38th Inter-College Women's Kabaddi Tournament Inaugurated at MDSU, Ajmer

Men's Inter-College Kabaddi Tournament

Quarter-Final Matches Scheduled for Saturday, September 27, 2025

एमडीएसयू के वनस्पति विज्ञान विभाग में 'कॉफी टेबल बुक' का विमोचन

'विदाई नहीं, विभाग का विस्तार है विद्यार्थी'

जागरूकता ही थैलेसीमिया रोकथाम का सबसे बड़ा उपाय होता है- कुलगुरु प्रो. अग्रवाल

सम्राट पृथ्वीराज चौहान जयंती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

शोधार्थियों-शिक्षकों को करना चाहिए महापुरुषों पर अध्ययन- लखावत

'कोर्स में हो राष्ट्र चेतना का स्थान'

परीक्षा परिणाम प्रक्रिया में पारदर्शिता और मानकीकरण

एमडीएसयू में डिजिटल मूल्यांकन शुरू, प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी

भास्कर इनसाइट

परीक्षार्थियों को अब अपने कॉलेज में परीक्षा देने का मौका नहीं मिलेगा

दैनिक भास्कर — अजमेर 16-05-2026

एमडीएसयू - सम्राट पृथ्वीराज पर संगोष्ठी

'पुस्तकालयों में इतिहास से जुड़े प्रामाणिक ग्रंथ उपलब्ध हों, सांस्कृतिक परंपराओं पर शोध करें'

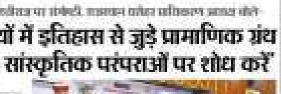

दैनिक नवज्योति

फार्मेसी व्यवसाय नहीं, धर्म है- प्रो. अग्रवाल

दैनिक नवज्योति

उत्तरपुस्तिकाओं का डिजिटल मूल्यांकन करने में एमडीएसयू बना प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय

एमडीएसयू की बेशकीमती भूमि अतिक्रमण मुक्त कराने की मुहिम तेज

जैव विविधता पृथ्वी पर जीवन की मूल आधारशिला- कुलगुरु

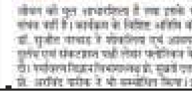

खेल · प्रतिभा - एमडीएसयू अजमेर में इंटर कॉलेज कबड्डी टूर्नामेंट खेलने आईं खिलाड़ी छात्राओं की कहानियां रोचक और दूसरी छात्राओं के लिए प्रेरणास्पद

दादाजी का मेडल देख ठाना; मैं भी ऐसा पदक लाऊंगी...स्कूल में दीदी को खेलते देख जगी ललक

"MDSU AJMER ORGANIZES MAJOR BLOOD DONATION CAMP

LARGE-SCALE BLOOD DONATION CAMP HELD AT MDS UNIVERSITY

दैनिक भास्कर अजमेर 25-06-2026

एमडीएसयू में योग पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू

विद्यार्थी विश्वविद्यालय संस्कृति के दूत बनें – कुलगुरु

दैनिक भास्कर अजमेर 11-10-2025

एमडीएसयू: चाणक्य भवन में गंदगी देखकर कुलगुरु नाराज

रोजगारोन्मुखी शिक्षा पर एमडीएसयू का फोकस, साइबर सिक्योरिटी और एआई पाठ्यक्रम जल्द शुरू

(एसकेजी)

राजस्थान में डिजिटल मूल्यांकन की नई शुरुआत, एमडीएस विश्वविद्यालय, अजमेर बना प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय।

आदिनाथ मेडिसिटी
कैंसर एवं सुपरस्पेशियलिटी सेंटर
JLN अस्पताल के पास, अजमेर
8000176428

इंटर कॉलेज पुरुष वर्ग योगासन प्रतियोगिता

योग में शीर्ष आसन पर एमडीएसयू

अब संस्कृत बनेगी संवाद की भाषा, एमडीएसयू में विशेष कक्षा 15 से

https://forms.gle/wakRvoSBqkmhY3Ff9

कर्मचारी चयन आयोग के जरिए कराई जाएगी मंत्रालयिक स्तर के कर्मचारियों की भर्ती

एमडीएसयू प्रबंध बोर्ड की 112वीं बैठक संपन्न

एमडीएसयू: अब मंत्रालयिक कर्मियों की भर्ती चयन बोर्ड से

भास्कर इनसाइट

दैनिक भास्कर अजमेर 19-10-2025

भास्कर एक्सक्लूसिव • 2005 में अजमेर-पुष्कर रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहित की थी

एमडीएसयू की जमीन पर 13 साल से चल रही ट्रेन...रेलवे ने मुआवजे में एक रुपया नहीं दिया

मुआवजा मिले तो विवि को मिले लाभ: वीसी

दिवाली बाजार में हर पीढ़ी की अलग पसंद, लेकिन इस बार स्वदेशी उत्पादों के साथ ईको फ्रेंडली को वरीयता

आइए, जानें कौन सी पीढ़ी क्या पसंद-नापसंद कर रही

समान होगा राजकीय और निजी महाविद्यालयों का पीएचडी प्रवेश शुल्क

कुलगुरु ने दी शोधार्थियों को राहत

भर्ती परीक्षाओं से टकराव टालने को एक माह पहले डीसी को टाइम टेबल भेजेगा एमडीएसयू

समाधान की कवायद | टाइम टेबल जारी करने से पहले समीक्षा करेंगे

भास्कर इनसाइट

हर बार यूनिवर्सिटी को बदलना पड़ा शेड्यूल

दैनिक नवज्योति

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भाषिक संस्कृति समावेशिता, सामूहिकता और राष्ट्रभाव

GROWING INDIA

युवा महोत्सव में बोले मदस विश्वविद्यालय के कुलगुरु

भवनों से नहीं होती पहचान, संस्थान बनें संस्कार निर्माण के केंद्र-अग्रवाल

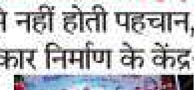

Purple-rumped sunbird seen in Ajmer for 1st time

दैनिक भास्कर अजमेर 01-11-2025

एमडीएसयू में प्लानिंग एंड मॉनिटरिंग बोर्ड गठित

अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक विकास योजना बनाने में करेगा सहयोग

दैनिक भास्कर जोधपुर 16-10-2025

ऐसा पहली बार... 8 माह में भी स्थायी कुलगुरु का नाम तय नहीं

प्रो. अग्रवाल ने संभाला कार्यवाहक कुलगुरु का पदभार, स्थायी नियुक्ति 1 माह में संभव

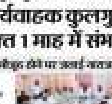

Varsity to Become Model 'Biodiversity Hamlet'

दैनिक भास्कर अजमेर

राज्यपाल ने किया यह निर्णय, सेल्फ फाइनेंस कॉलेजों को राहत

निजी महाविद्यालयों का पीएचडी प्रवेश शुल्क अब सरकारी कॉलेजों के समान

समान होगा राजकीय और निजी महाविद्यालयों का पीएचडी प्रवेश शुल्क

कुलगुरु ने दी शोधार्थियों को राहत

6 से विवि परिसर में होगा कोर्स वर्क

Varsity to Become Model 'Biodiversity Hamlet'

38वीं अंतर महाविद्यालय महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता शुरू

खेल भावना के साथ खिलाड़ी अपनी क्षमता का उपयोग करें

आधुनिकता के साथ परंपरा का भी सम्मान करें युवा

मदस विवि में वंदे मातरम्- 150 वर्ष का अमृत उत्सव

दैनिक भास्कर अजमेर 01-11-2025

निजी महाविद्यालयों का पीएचडी प्रवेश शुल्क अब सरकारी कॉलेजों के समान

GROWING INDIA

भगवान बिरसा मुंडा का प्रेरणादायक जीवन स्वधर्म और स्वराज के अद्भुत संगम का प्रतीक

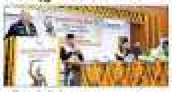

JASTHAN 02

MDSU Food Science Dept Holds Workshop on Preservation

संविधान दिवस आज यह हमें स्वतंत्र

संविधान की प्रस्तावना : भारत के आदर्शों का प्रबल घोष

नागरिक चेतना और लोकतांत्रिक संकल्प का जन-मन उत्सव

दैनिक भास्कर अजमेर 15-11-2025

भगवान बिरसा मुंडा से नानगढ़ तक : भारत की जनजातीय चेतना व स्वाधीनता संग्राम का अखंड आख्यान, इन्हें राष्ट्र निर्माण का मूल स्तंभ मानने की जरूरत

सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा और समावेशिता का प्रसार ही बिरसा मुंडा को सच्ची श्रद्धांजलि है- प्रो. अग्रवाल

Purple-rumped sunbird seen in Ajmer for 1st time

Purple-rumped sunbird spotted in Ajmer Saturday

Kshitiz Gaur | TNN

Ajmer: The purple-rumped sunbird (Leptocoma zeylonica) was sighted for the first time in Ajmer Saturday during a bird survey conducted at Maharishi Dayanand Saraswati University (MDSU), marking a significant addition to the region's biodiversity records. The rare observation has sparked interest among researchers and environmentalists, as the species is generally native to southern India.

Professor Subroto Dutta, Head of the Department of Environmental Science, said the bird was observed feeding on the flowers of a Bauhinia tree within the university campus. "This species is usually confined to southern India, and its sighting here is a significant indicator of changing ecological patterns," he said. The discovery underscores the growing importance of university-led biodiversity studies in understanding how local ecosystems are evolving.

Building on this observation, Professor Praveen Mathur added that the bird was recorded during the department's pre-winter campus bird survey. "The presence of southern species suggests that campus efforts to conserve and enhance plant diversity are supporting ecological balance," he said, noting that the variety of flora may be attracting new species to the area.

Vice-Chancellor Professor Suresh Kumar Agrawal congratulated the team and said the sighting demonstrates how changing climate conditions and vegetation structures are influencing bird distribution.

He added that the university will encourage further research into the reasons behind such migratory shifts and continue to enhance campus sustainability efforts.

This bird, a small, nectar-feeding species also known to consume insects, is typically found in the southern parts of the Indian subcontinent.

38वीं अंतर महाविद्यालय महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता शुरू

खेल भावना के साथ खिलाड़ी अपनी क्षमता का उपयोग करें

दैनिक भास्कर अजमेर 27-11-2025

संविधान ने अभिव्यक्ति की आजादी दी, पर किसी को गलत शब्द कहने की नहीं- बागड़े

दैनिक नवज्योति

संविधान को आत्मार्पित करने से ही विकसित भारत की संकल्पना साकार होना संभव : राज्यपाल

एमडीएस यूनिवर्सिटी में जनजातीय गौरव दिवस पर व्याख्यान

'जनजातीय समुदायों से रखना चाहिए समानुभूति का भाव'

दैनिक नवज्योति

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भाषिक संस्कृति समावेशिता, सामूहिकता और राष्ट्रभाव

GROWING INDIA

Jaipur · 21 Nov 2025 · Page 2

MDSU PhD Coursework Ends; VC Urges Quality Research

AJMER, 20 NOV

The 15-day Ph.D. coursework at Maharshi Dayanand Saraswati University concluded with a valedictory ceremony addressed by Vice Chancellor Prof. Suresh Kumar Agarwal. He urged scholars to pursue research that is academically sound, original and socially relevant. Introducing the AAS model — Academic, Aspirations, Societal — he said research must meet academic standards, align with the aspirations of scholars and society, and most importantly, offer solutions to real-world problems. Prof. Agarwal called for improving research quality, promoting innovation and developing Indian evaluation parameters instead of relying on Western norms. He encouraged interdisciplinary thinking and urged scholars to contribute meaningfully to national development.

राजभवन से लोक भवन तक

GROWING INDIA

JASTHAN 02

MDSU First Rajasthan University to Launch Shodh Chakra

प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने संभाला जेएनवीयू कुलगुरू का अतिरिक्त प्रभार

युवा महोत्सव में बोले मदस विश्वविद्यालय के कुलगुरु

भवनों से नहीं होती पहचान, संस्थान बनें संस्कार निर्माण के केंद्र-अग्रवाल

आधुनिकता के साथ परंपरा का भी सम्मान करें युवा

मदस विवि में वंदे मातरम्- 150 वर्ष का अमृत उत्सव

एमडीएसयू में प्लानिंग एंड मॉनिटरिंग बोर्ड गठित

अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक विकास योजना बनाने में करेगा सहयोग

संविधान में अभिव्यक्ति का अधिकार अपशब्दों का नहीं : राज्यपाल बागड़े

एमडीएस यूनिवर्सिटी में संविधान दिवस समारोह का आयोजन

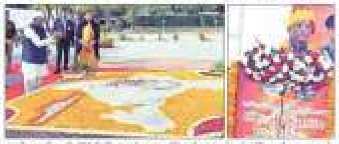

जम्मू-कश्मीर के हालात बदले

पत्रिका

'सिलाई प्रशिक्षण बालिकाओं को बनाएगा आत्मनिर्भर'

प्रादेशिक जगत

खेलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ना सकारात्मक

दैनिक नवज्योति

यह संदेश विवि की उपलब्धि व भविष्य के लिए प्रोत्साहन है : कुलगुरु

एमडीएसयू बनी शोध चक्र अपनाने वाली प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी

दीक्षांत, शिक्षा का अंत नहीं बल्कि एक नए जीवन का प्रारंभ : राज्यपाल

स्वतंत्रता सेनानी अवन्तिका देवी पर विशेष व्याख्यान

भारतीय ज्ञान परम्परा आधारित इतिहास के पुनर्पाठ की आवश्यकता-अग्रवाल

भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ाव के लिए ऋषियों के नाम पर प्रतिभाएं सम्मानित

एमडीएसयू: उपाधिका समारोह में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान

शोध चक्र पोर्टल अपनाने वाला राज्य का पहला विश्वविद्यालय बना एमडीएस विवि

इनक्यूबेशन सेंटर गांधीनगर के साथ किया एमओयू

मॉर्निंग न्यूज़

www.morningnewsindia.com

माउंटबेटन ने बनाया पीओके, पं. नेहरू को थी जानकारी : राज्यपाल

GROWING INDIA

MDS University, Rajdhani College Collaborate

दैनिक भास्कर अजमेर 15-12-2025

एमडीएस यूनिवर्सिटी के 13वें दीक्षांत के लिए पीएम ने भेजा शुभकामना संदेश

विद्यार्थी सदा सत्य का आचरण करें, शिक्षा का अहंकार नहीं करें: बागड़े

दैनिक भास्कर अजमेर 25-01-2026

शिक्षक का दायित्व कक्षा से आगे, राष्ट्र निर्माण तक: डॉ. कलवार

'वेदों की ओर लौटो' का महर्षि दयानंद सरस्वती का संदेश आज भी प्रासंगिक : राज्यपाल बागड़े

दैनिक भास्कर अजमेर 17-12-2025

एमडीएसयू का एसएमटीटीसी किशनगढ़ कॉलेज में फैकल्टी संवर्धन के ट्रेनिंग प्रोग्राम करेगा

2047 तक भारत को विश्वगुरु बनाने में युवाओं की निर्णायक भूमिका : बागड़े

एमडीएस यूनिवर्सिटी व आयुर्वेद विवि के बीच एमओयू

अनुसंधान और नवाचार के जरिए देश के विकास में योगदान दें युवा

प्रादेशिक जगत

सिंधी भाषा का लोक संस्कृति, सनातन मूल्य व भारतीय सांस्कृतिक विविधता में महत्वपूर्ण योगदान : देवनानी

कुलगुरु समन्वय समिति की बैठक; 'सुधरो नहीं तो बंद करो' नीति पर काम करे विश्वविद्यालय : राज्यपाल

शिक्षा और अनुसंधान क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग से भारत की भूमिका और मजबूत होगी

दैनिक भास्कर अजमेर 26-12-2025

सच्ची शिक्षा चरित्र निर्माण, ग्राम विकास और अनुशासन से जुड़ी होती है: बागड़े

दैनिक भास्कर अजमेर 29-01-2026

4 जिलों के 360 प्रतिभागी, चयनित 60 विद्यार्थी वेस्ट जोन गुजरात के सांस्कृतिक महोत्सव में शामिल होंगे

GROWING INDIA

Sophia College, MDSU Sign MoU for Collaboration

दैनिक भास्कर अजमेर 17-01-2026

दैनिक भास्कर अजमेर 14-01-2026

सिंधी भाषा और संस्कृति का संरक्षण ही भारत राष्ट्र की शक्ति: देवनानी

दो शोधार्थी और एक पूर्व विद्यार्थी बने सहायक आचार्य

दैनिक नवज्योति

सैनेटाइजेशन कार्यक्रम का शुभारंभ

'शोध एवं नवाचार भविष्य की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का आधार'

मदस विवि : लोकनृत्य, गीत-संगीत के साथ वाद-विवाद प्रतियोगिता

इंटर कॉलेज सांस्कृतिक आयोजन में युवाओं ने दिखाई अपनी प्रतिभा

रंगमंच पर लोक संस्कृति के रंग

भारतीय ज्ञान परम्परा आज

आज होंगे यह कार्यक्रम

पत्रिका

अजमेर शहर 26-12-2025

नहीं रहें एक डिग्री के भरोसे, सफलता के लिए मल्टी टेलंट जरूरी- बागडे

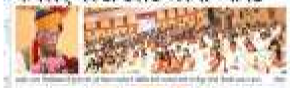

मदस विवि में कर्तव्य बोध पर हुआ विशेष व्याख्यान

शिक्षक का कर्तव्य पढ़ाना ही नहीं राष्ट्र निर्माण भी

दैनिक भास्कर अजमेर 30-01-2026

एमडीएसयू : संगीत-गायन पर सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं

हे री मैं तो प्रेम दीवानी...

भास्कर संवाददाता | अजमेर

दैनिक भास्कर अजमेर 31-01-2026

'वेद अध्ययन के साथ शैक्षणिक वातावरण की मूल धारा'

गेस्ट राइटर

इंटर कॉलेज सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत, युवाओं में दिखा उत्साह

सतरंगी छटा से निखरा कैनवास, कार्टूनिंग एवं रंगोली में दिखाया हुनर

आज होंगी यह प्रतियोगिताएं

यह शैक्षिक गतिविधियां अहम

अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिता • शास्त्रीय व संगीत श्रेणी की प्रतियोगिताएं हुई

विकसित भारत 2047 का संदेश: एमडीएसयू सांस्कृतिक मंच से युवाओं को स्वदेशी सूत्रों से जुड़ने का दिया संदेश

मदस विवि में पुण्यतिथि पर हुई संगोष्ठी

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने समाज को दी वैचारिक दिशा

दैनिक भास्कर अजमेर 28-01-2026

मदस विश्वविद्यालय : संबद्ध महाविद्यालय के साथ समीक्षा बैठक

आवंटित सीटों से अधिक प्रवेश नहीं होंगे स्वीकार

अजमेर, बुधवार, 28 जनवरी, 2026 | 6

एमडीएसयू • पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ का प्रस्ताव स्वीकार किया

एकेडमिक काउंसिल: कॉलेजों में चुनावी शिक्षा को कोर्स के रूप में करेंगे शामिल

एमडीएसयू परिषद में लर्न-अर्न पाठ्यक्रम शामिल हुए जारी

बढ़ता राजस्थान | जयपुर | बुधवार 11 मार्च 2026 | 09

एमडीएस विश्वविद्यालय की 38वीं अंतर महाविद्यालयीय खेल प्रतियोगिताओं का भव्य समापन, खो-खो में डीएवी कॉलेज विजेता

खेल और शिक्षा साथ-साथ जरूरी : डॉ. गरिमा नरूला

नहीं हो पाई सामूहिक प्रार्थना, अगले सप्ताह से शुरुआत की योजना

विश्वविद्यालय के विभागों में शुरू हुई प्रार्थना, गूंजे वेद मंत्र

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 57वीं पुण्यतिथि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

पुण्यतिथि या जयंती मनाने का उद्देश्य महान व्यक्तियों के जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेना होता है - राठौड़

महर्षि दयानंद की ऋषि-दृष्टि का आधुनिक मूर्त रूप मदस विश्वविद्यालय

पुण्यतिथि पर मदस विवि. सहित कई जगह आयोजन

'पंडित दीनदयाल का एकात्मवाद, मानव दर्शन दुनिया के लिए सीख'

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

"ऋषि दयानंद सरस्वती का जीवन भविष्य के लिए मार्गदर्शन"

शोध एवं उद्यमिता के लिए विश्वविद्यालय ने किया एमओयू

पत्रिका {सिटी बुक} SUNDAY patrika.com

आयोजन : विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर संगोष्ठी

नारी को सम्मान और शिक्षा के बिना समाज की प्रगति संभव नहीं-भदेल

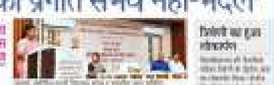

भगवद् गीता का कर्मयोग आधुनिक शोध के लिए भी प्रासंगिक

नारी शिक्षा के बिना प्रगति संभव नहीं: विधायक भदेल

मदस विवि : एकेडेमिक कौंसिल की बैठक में हुए कई फैसले

कैंपस में शुरू होगी लीप स्कीम, स्थापित करेंगे दीनदयाल शोधपीठ

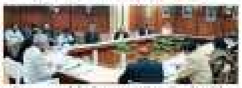

बैठक में यह लिए फैसले...

एपेक्स कॉलेज का मामला

स्थापित होगी शोधपीठ

बढ़ता प्रादेशिक | जयपुर। सोमवार 09 मार्च 2026 | www.badhatarajasthan.in | 09

एमडीएस यूनिवर्सिटी की 38वीं अंतर-महाविद्यालय खो -खो महिला प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

हार और जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन सच्ची जीत वही है जो ईमानदारी और सम्मान के साथ हासिल की जाए - प्रो. अग्रवाल

विश्वविद्यालय में फैकल्टी डेवलपमेंट वर्कशॉप का आयोजन

सरकार बना सकती है नीतियां, लागू करने की जिम्मेदारी शिक्षकों की-बैरवा

प्रवेश प्रणाली में लचीलापन जरूरी

इंटर्नशिप, क्रेडिट सिस्टम में विकल्प

Jaipur Badhata Rajasthan-26-March-2026

युवाओं को अपने भीतर की क्षमता को पहचानकर स्वरोजगार और उद्यमिता को अपनाना होगा - सतीश कुमार

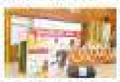

अजमेर

एमडीएसयू एनईपी आधारित अध्यादेश लागू करने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय-डॉ.बैरवा

एनईपी क्रियान्वयन में एमडीएसयू की पहल, फैकल्टी वर्कशॉप में उप मुख्यमंत्री ने सराहा प्रयास

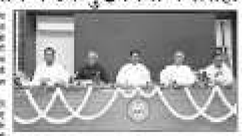

बढ़ता राजस्थान | बढ़ता प्रादेशिक

एमडीएसयू ने रचा इतिहास

एनईपी आधारित अध्यादेश लागू करने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय

'शिक्षक ही नीति को जमीन पर उतारते हैं' -उप मुख्यमंत्री

किशनगढ़ मार्बल स्लरी के प्रभावी निष्पादन पर शोध के लिए करेंगे पहल

मदस विश्वविद्यालय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की बैठक

समय के साथ शिक्षा के तरीकों में भी बदलाव आवश्यक

डिजिटल युग की ओर ऐतिहासिक कदम

एम.डी.एस. विश्वविद्यालय में एआई आधारित स्मार्ट सिस्टम लागू करने की पहल

युवा उद्यमिता यात्रा की हुई शुरुआत

'क्षमता को पहचान स्वरोजगार, उद्यमिता को अपनाएं युवा'

डिग्री के साथ प्रशिक्षण जरूरी

मार्गदर्शन और काउंसलिंग जरूरी

सोच में परिवर्तन जरूरी

एमडीएसयू में लागू होगा एआई आधारित स्मार्ट सिस्टम

दैनिक नवज्योति

एमडीएसयू और डॉ. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय में एमओयू

प्रवेश से परिणाम तक शैक्षिक प्रक्रियाओं को ऑनलाइन बनाना जरूरी- राज्यपाल बागडे

वेबसाइट का लोकार्पण

बाबा साहेब की जयंती के उपलक्ष्य में एमडीएसयू में विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित

एमडीएसयू में तीन दिवसीय प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन

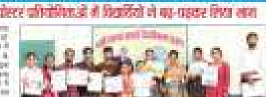

पत्रिका

प्रवेश प्रक्रिया से वित्तीय प्रबंधन तक लागू होगा एआइ सिस्टम

राज्यपाल द्वारा एमडीएसयू की विद्यार्थी-केंद्रित नई वेबसाइट का लोकार्पण

'स्वस्थ समाज से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव' - प्रो. अग्रवाल

कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित

आधारभूत सुविधाओं व अनुशासन को लेकर बनाया व्यापक एक्शन प्लान

मदसविवि : आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की हुई बैठक

'प्रत्येक कार्य का हो दस्तावेजीकरण, पेटेंट संस्कृति को करें विकसित'

प्रदेश जगत

बागड़े ने किया एमडीएसयू की विद्यार्थी केंद्रित नई वेबसाइट का लोकार्पण

उच्च शिक्षा में नवाचार समय की मांग

शिविर में 62 छात्राओं की स्वास्थ्य जांच

एमडीएसयू और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का समझौता
'विद्यार्थियों के भविष्य को देगा नई दिशा': प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल

ज्ञान से कौशल की ओर ऐतिहासिक पहल

दकीय

अंबेडकर जयंती विशेष

महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी से लोकतांत्रिक व्यवस्था बनेगी और अधिक समावेशी

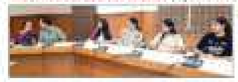

महिला शिक्षा व नेतृत्व विकास के लिए प्रतिबद्ध

महिला से भारत निर्माण में बनेगी सहयोगी : भारती

बढ़ता राजस्थान

अगले वर्ष से विश्वविद्यालय में मनाया जाएगा भीम सप्ताह

समरसता के बिना समता, सामाजिक न्याय मिलना संभव नहीं- खत्री

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में संबोधित करते मुख्य वक्ता जसवंत खत्री।

अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में 'अंबेडकर दृष्टि : समता से समन्वय' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

'समता से ही वास्तविक सामाजिक न्याय संभव'

मदस विवि : छात्राओं को अत्य सुरक्षा के साथ सुविधा उपलब्ध कराए जाएंगे

छात्रावास में बढ़ेगी सुरक्षा, दुरुस्त होगी सफाई व्यवस्था

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

मेस मॉनिटर प्रणाली

इंटरनेट-सीसीटीवी

दुरुस्त होगी सफाई

मदस विवि

प्रबंध अध्ययन विभाग के 13 विद्यार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

रचनात्मक शिक्षण ही बनेगा एआई युग में शिक्षक की पहचान

एमडीएसयू में लगाई 5 हाईमास्ट लाइट्स, सुरक्षा में हुई बढ़ोतरी

मदस विवि में शिक्षकों, अधिकारियों और कार्मिकों ने की साफ-सफाई

स्वच्छ परिसर सुचिता अभियान का शुभारंभ

कुलगुरु ने भी किया श्रमदान, दिलाई शपथ

एमडीएसयू में एनिमल हाउस बना पर्यावरणीय प्रयोगशाला

मदस विवि. | कुलगुरु की अध्यक्षता में प्रशासनिक समीक्षा बैठक आयोजित

विवि. परिसर में लगेंगे कचरा पात्र, सुरक्षा के होंगे पुख्ता इंतजाम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

पार्किंग में खड़े होंगे वाहन

कैम्पस में स्वच्छता पर जोर

गहरे गड्ढों का निर्माण

दैनिक भास्कर अजमेर 30-04-2026

एमडीएसयू: निशुल्क शिविर में 62 छात्राओं की सेहत व रक्त जांच

अजमेर | एमडीएसयू के धन्वंतरि आरोग्य केंद्र द्वारा बुधवार को गार्गी महिला छात्रावास में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल की प्रेरणा से आयोजित इस कैंप में 62 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्त जांच की गई। कुलगुरु ने स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित आहार व नियमित दिनचर्या का महत्व बताया। डॉ. नेहा राजावत, डॉ. गोविंद सिंह सहित अन्य चिकित्सकों ने सेवाएं दीं।

कुलगुरु प्रो. अग्रवाल का स्पष्ट संदेश–'हर शिक्षक बने प्रवेश दूत'

समाचार जगत

न्यूज गैलरी

व्यवस्था, पारदर्शिता और समयबद्धता पर जोर
कुलगुरु प्रो. अग्रवाल ने किया औचक निरीक्षण

विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी प्रक्रिया मिशन मोड में पूरी की जाए : प्रो. अग्रवाल

जागो इंडिया जागो

पक्षियों से सीखें परिश्रम और संरक्षण का संदेश

अजमेर. पक्षियों के लिए परिंडे लगाते कर्मचारी व अन्य। पत्रिका

अजमेर @ पत्रिका. महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति सदैव सह-अस्तित्व संस्कृति रही है। इसमें मनुष्य, पशु-पक्षी को समान महत्व दिया गया है। यह बात उन्होंने शुक्रवार को परिसर में पक्षियों के लिए परिंडे लगाने के दौरान आयोजित कार्यक्रम में कही।

प्रो. अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति एवं जीव-जंतुओं की रक्षा में योगदान देना चाहिए। हमारे परिवारों में भी प्रतिदिन पुण्य का[र्य] करने की परंपरा रही है। पक्षी सब[से] अधिक श्रम करने वाला प्राणी है। [वह] जीवन का लगभग 85 प्रतिशत सम[य] श्रम में व्यतीत करता है। पक्षियों [से] परिश्रम और प्रकृति संरक्षण की सीख लेनी चाहिए। उद्यान अधीक्षक राजेन्[द्र] तिवारी ने स्वागत किया। इस दौरान कुलसचिव के.सी.शर्मा, डीन छा[त्र] कल्याण प्रो. सुभाष चंद्र, प्रो. प्रवीण माथुर, प्रो. ऋतु माथुर, प्रो. शिव प्रसाद, प्रो. अरविंद पारीक, परीक्षा नियंत्र[क] डॉ. सुनील टेलर और अन्य मौजूद रहे।

'सुरक्षा और स्वच्छता पर कोई समझौता नहीं करेगा एमडीएस विश्वविद्यालय'

जागो इंडिया जागो

सिटी रिपोर्टर . जयपुर

जयपुर/अजमेर। महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर में कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित प्रशासनिक समीक्षा बैठक में विश्वविद्यालय परिसर की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सुरक्षा, स्वच्छता, छात्रावास, पार्किंग, जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन और बंदर समस्या जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कुलगुरु प्रो. अग्रवाल ने निर्देश दिए कि सभी सुरक्षा गार्डों की दैनिक ड्यूटी चार्ट अनिवार्य रूप से कुलगुरु सचिवालय व कुलसचिव कार्यालय में प्रस्तुत किया जाए और प्रत्येक गार्ड अपने निर्धारित स्थान पर उपस्थित रहे। अनधिकृत प्रवेश की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए निगरानी प्रणाली को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कर्मचारियों की कम उपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए कुलगुरु प्रो. अग्रवाल ने बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू करने और ठेकेदारों के भुगतान को वास्तविक उपस्थिति से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही कैंपस में कचरा निस्तारण की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करने और लंबित सफाई कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया। गर्ल्स छात्रावास की स्थिति पर चर्चा करते हुए यह निर्णय लिया गया कि सेप्टिक टैंक को तुरंत प्रभाव से निर्मित किया जाएगा।

नामांकन बढ़ाने के लिए महाअभियान

विश्वविद्यालय में अतिथि संकाय सदस्यों की बैठक भी आयोजित की गई। इसका मुख्य उद्देश्य विवि में छात्र विद्यार्थी नामांकन, शिक्षण गुणवत्ता में सुधार और संस्थागत विकास को गति देना रहा। कुलगुरु प्रो. अग्रवाल ने विश्वविद्यालय में प्रत्येक शिक्षक को न्यूनतम 5 से 10 नए विद्यार्थियों को जोड़ने का लक्ष्य दिया और प्रत्येक विभाग के लिए प्रथम सेमेस्टर में कम से कम 30 विद्यार्थियों का नामांकन सुनिश्चित करने की बात कही।

टोंक जिले के महाविद्यालयों के साथ कुलगुरु का संवाद

पक्षियों से सीखें परिश्रम और प्रकृति संरक्षण का संदेश

एमडीएस विश्वविद्यालयः अंग्रेजी एवं संस्कृत में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम होंगे प्रारम्भ

एमडीएसयू में डाटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी व एआई कोर्स होंगे शुरू

देवर्षि नारद जयंती पर पत्रकार सम्मान समारोह

पत्रकार को दरबारी बनने से बचना चाहिए - त्रिपाठी

पढ़ाई के साथ कमाई भी : एमडीएस की LEaP योजना बनी सपनों की नई उड़ान

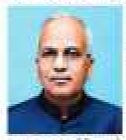

सार-समाचार

कुलगुरु ने किया चाणक्य भवन का औचक निरीक्षण

अजमेर

एमडीएसयू का डिजिटल परीक्षा शुल्क प्रणाली के लिए एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक से एमओयू

"विश्वविद्यालयों को राष्ट्रचेतना और इतिहास के पुनर्पाठ का केंद्र बनना होगा" – औंकार सिंह लखावत

दैनिक नवज्योति 7

महापुरुषों पर लेखन और शोध कार्य को आगे बढ़ाएं–लखावत

सम्राट पृथ्वीराज चौहान जयंती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

भारत के भविष्य का उद्घोष पृथ्वीराज चौहान

राष्ट्र की आत्मा में स्पंदित होते हैं पृथ्वीराज चौहान

गेस्ट राइटर

दैनिक भास्कर अजमेर 22-05-2026

एमडीएस यूनिवर्सिटी

पर्यावरण विज्ञान विभाग ने ओजोन दिवस मनाया

जैव विविधता दिवस पर आज विशेष कार्यक्रम होगा

हर स्थिति में सामंजस्य बनाए रखने की शक्ति देता है योग

विद्यार्थियों ने ली खनन क्षेत्र में पर्यावरण सुरक्षा की जानकारी

योग केवल व्यायाम नहीं, समता, अनुशासन और सकारात्मक जीवन का माध्यम बने

योग भारत की सांस्कृतिक विजय का प्रतीक व राष्ट्र निर्माण का आधार : प्रो. अग्रवाल

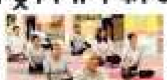

जागरूकता ही थैलेसीमिया रोग रोकथाम का प्रभावी उपाय

एमडीएस में हुई संगोष्ठी

ब्यूरो/अजमेर। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय एवं भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में फार्मेसी विभाग द्वारा शनिवार को थैलेसीमिया जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में थैलेसीमिया जैसी गंभीर आनुवांशिक बीमारी रोकथाम के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।

अध्यक्षता करते हुए विवि के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि स्वस्थ युवा ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। थैलेसीमिया जैसी आनुवांशिक बीमारियों के प्रति समाज में पर्याप्त जागरूकता का अभाव है। जबकि यह बीमारी धीरे-धीरे शरीर, मानसिकता और आर्थिक स्थिति को प्रभावित करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे लर्निंग, री लर्निंग और अनलर्निंग की प्रक्रिया को अपनाते हुए नई जानकारियों को खुले मन से ग्रहण करें।

रोग के लक्षण व कारण बताए

मुख्य वक्ता अशोक गोयल ने थैलेसीमिया के कारण, लक्षण, रोकथाम एवं जागरूकता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। जागरूकता, समय पर जांच तथा रक्तदान के माध्यम से हजारों बच्चों का जीवन सुरक्षित किया जा सकता है। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद से दिलीप पारीक, सुरेश चंद्र गोयल, रमेश चंद्र जाजू, लक्ष्मी नारायण, अशोक गोयल, राजेंद्र मित्तल, हितेश मंगरोला तथा कृष्ण गोपाल गोयल आदि मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर अजमेर 20-05-2026

एमडीएसयूः स्टूडेंट्स ने माइंस में सीखे प्रदूषण नियंत्रण व जल संरक्षण के तरीके

नर्सिंग स्टाफ स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़-प्रो. अग्रवाल

जयपुर। शुक्रवार 22 मई 2026 | 09

www.hadotiexpress.in

"योग भारत की सांस्कृतिक विजय का प्रतीक, राष्ट्र निर्माण का आधार" - कुलगुरु प्रो. अग्रवाल

योग केवल व्यायाम नहीं, समता, अनुशासन और सकारात्मक जीवन का माध्यम बने

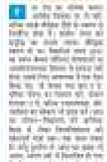

यूनि-स्कूलः शिक्षा का नवोदय

सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों की ट्यूशन फीस होगी वापस

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने जाना सतत खनन का विज्ञान

पर्यावरण विज्ञान विभाग का हिन्दुस्थान जिंक माइंस, कायड़ में शैक्षणिक भ्रमण आयोजित

दैनिक राजस्थान

अजमेर (मोहित जैन)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए अजमेर के कायड़ स्थित हिंदुस्थान जिंक माइंस का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को खनन उद्योग, पर्यावरण प्रबंधन तथा सतत विकास से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। भ्रमण का नेतृत्व विभागाध्यक्ष प्रो. सुब्रतो दत्ता ने किया। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापकगण तथा बी.एससी. एवं एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान के विद्यार्थी उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने जिंक खनन की विभिन्न प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया तथा अयस्क निष्कर्षण, परिवहन, अपशिष्ट प्रबंधन, धूल नियंत्रण प्रणाली, जल संरक्षण तकनीकों एवं खनन क्षेत्र में अपनाए जा रहे पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। माइंस के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बताया कि आधुनिक खनन उद्योग पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं। विद्यार्थियों को खनन क्षेत्रों में वायु, जल एवं मिट्टी की गुणवत्ता की निगरानी, पर्यावरणीय ऑडिट, माइंस क्लोजर प्लानिंग तथा पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन कार्यों से संबंधित प्रक्रियाओं की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रो. सुब्रतो दत्ता ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक रूप में समझने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सतत खनन की अवधारणा को समझने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी विकसित करने के लिए प्रेरित किया। भ्रमण में शामिल विद्यार्थियों ने बताया कि इस शैक्षणिक यात्रा से उन्हें खनन उद्योग में पर्यावरण विज्ञान की बढ़ती उपयोगिता को समझने का अवसर मिला तथा भविष्य में रोजगार एवं शोध की संभावनाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।

जागो इंडिया जागो

एमडीएसयू : ईंधन बचत को लेकर पहल
पेट्रोल-डीजल वाहनों का त्याग, ई-रिक्शा से आ रहे शिक्षक

जागो इंडिया जागो

सिटी रिपोर्टर . जयपुर/अजमेर महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर ने पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में पेट्रोल-डीजल चलित वाहनों के उपयोग को सीमित करने का निर्णय लिया है। कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल के निर्देश पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब परिसर में अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और आगंतुकों से ई-ऑटो रिक्शा, बैटरी चलित वाहनों अथवा पैदल आवागमन करने का आग्रह किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय राजस्थान और केंद्र व राज्य सरकार द्वारा ईंधन बचत करने संबंधी दिए गए निर्देशों के अनुपालन में लिया है। आदेश में कहा गया है कि देश में उत्पन्न संभावित ईंधन संकट को देखते हुए सभी संबंधित व्यक्तियों को सहयोगात्मक भूमिका निभानी होगी। विश्वविद्यालय परिसर में संचालित ई-ऑटो रिक्शा संचालकों को निर्धारित स्थानों पर वाहन खड़े रखने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रकृति के प्रति सम्मान को पुनर्जीवित करना समय की आवश्यकता: कुलगुरु

अजमेर। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन को समर्पित विविध कार्यक्रमों, व्याख्यानों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन पर्यावरण विज्ञान विभाग, वनस्पति विज्ञान विभाग, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी तथा राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने उद्बोधन में कहा कि जैव विविधता पृथ्वी पर जीवन की मूल आधारशिला है तथा इसके संरक्षण के बिना सतत विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन एवं प्राकृतिक आवासों के विनाश के कारण जैव विविधता गंभीर संकट का सामना कर रही है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों से प्रकृति संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने तथा पर्यावरणीय चेतना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने का आह्वान किया। प्रो. अग्रवाल ने भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव पूज्य माना गया है।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा इंटरव्यू में एमडीएसयू के विद्यार्थियों का परचम

अजमेर। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर ने एक बार फिर प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता सिद्ध करते हुए राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) साक्षात्कार में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। विवि से इस वर्ष कुल 205 अभ्यर्थी राजस्थान प्रशासनिक सेवा के साक्षात्कार तक पहुंचे हैं, जो पूरे राजस्थान में दूसरा सर्वाधिक आंकड़ा माना जा रहा है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, दूरदर्शी पाठ्यक्रम एवं विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास की सशक्त व्यवस्था को दर्शाती है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार एमडीएसयू का पाठ्यक्रम इस प्रकार तैयार किया गया है कि विद्यार्थी नियमित अध्ययन के साथ ही राजस्थान प्रशासनिक सेवा, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) एवं अन्य राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी स्वतः कर सके। पाठ्यक्रम में समसामयिक विषयों, विश्लेषणात्मक अध्ययन, तार्किक क्षमता तथा प्रशासनिक दृष्टिकोण को विशेष महत्व दिया गया है, जिससे विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकसित हो रही है।

एआई, साइबर सिक्योरिटी योग एवं भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित नए पाठ्यक्रम शुरू

विश्वविद्यालय में लर्न, अर्न एंड परफॉर्म योजना हुई प्रारंभ
अब कैंपस में यूजी-पीजी की पढ़ाई संग विद्यार्थी कर सकेंगे कमाई

यों हो सकेगी कमाई

कई संस्थानों में है लागू

चयन का आधार

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अपने आप को आधुनिक गुरुकुल की तर्ज पर विकसित कर रहा है - कुलगुरू प्रो. अग्रवाल

एआई, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, योग एवं भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित नए पाठ्यक्रम शुरू

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अपने आप को आधुनिक गुरुकुल की तर्ज पर विकसित कर रहा है - कुलगुरू प्रो. अग्रवाल

एआई, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, योग एवं भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित नए पाठ्यक्रम शुरू

सुर्खियां

महर्षि दयानंद सरस्वती विवि अजमेर में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को मिलेगा एलईपी योजना का लाभ

कार में दम घुटने से बच्चियों की मौत

एमडीएस के विद्यार्थियों का बढ़ा रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में रुझान

अजमेर। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के जनसंख्या अध्ययन विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र हेतु एम.ए. पॉपुलेशन स्टडीज़ एवं मास्टर ऑफ सोशल वर्क पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ कर दिए गए हैं। विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार दोनों पाठ्यक्रम वर्तमान समय की सामाजिक, स्वास्थ्य, जनसांख्यिकीय एवं विकास संबंधी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं। विभागाध्यक्ष (प्रभारी) प्रो. सुब्रतो दत्ता ने बताया कि एम.ए. पॉपुलेशन स्टडीज़ दो वर्षीय पाठ्यक्रम है, जिसमें प्रवेश हेतु स्नातक स्तर पर न्यूनतम 48 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं। इस पाठ्यक्रम की वार्षिक फीस ... तथा एससी/एसटी एवं महिला अभ्यर्थियों के लिए 1850 रु. निर्धारित की गई है। वर्तमान में जनसंख्या, सार्वजनिक स्वास्थ्य, माइग्रेशन, परिवार कल्याण, डेटा विश्लेषण एवं नीति निर्माण जैसे विषयों का महत्व बढ़ा है। यही कारण है कि विद्यार्थियों के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं महामारी विज्ञान, सरकारी नीति एवं जनगणना कार्य, सर्वे संगठनों, डेटा एनालिटिक्स तथा अकादमिक शोध जैसे क्षेत्रों में ...

एमडीएस के विद्यार्थियों का बढ़ा रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में रुझान

एमडीएसयू: एआई, साइबर सिक्योरिटी और डेटा साइंस के नए कोर्स शुरू, 4 जून तक यूजी में प्रवेश

MDS univ students to take big 'leap' in becoming self-reliant

Times News Network

MISSION ADMISSION

Jaipur: Students taking admission at Maharshi Dayanand Saraswati University (MDSU), Ajmer, in the upcoming academic session will be able to earn financial assistance while studying under the university's Learn, Earn Perform (LEaP) scheme. Under the initiative, undergraduate students would receive financial assistance ranging from Rs 3,000 to Rs 5,000 per month, while postgraduate students would receive between Rs 5,000 and Rs 8,000 per month.

The university's objective is to ensure that students are not confined merely to their academic curriculum but are also equipped with real-world work experience and professional skills.

Vice-chancellor Prof Suresh Kumar Agarwal said that under this scheme, selected students will have the chance to develop practical work experience and professional skills, in addition to academic learning.

Selected students will be assigned work in academic, research, digital, administrative, environmental and creative fields.

Opportunities under the scheme include research assistance, laboratory support, content creation, digitisation, social media management, event management, documentation, horticulture and office administration. Students will be selected on the basis of academic performance, skills, attendance, discipline and interviews.

"Promoting skill-based and experiential education in line with the National Education Policy is the need of the hour. The LEaP scheme will help students become self-reliant and strengthen their employability skills," Agarwal said.

University officials said the scheme would also help students develop leadership abilities, work culture and vocational experience.

नारद जयंती के आयोजन पर बोले प्रो. सुरेश अग्रवाल

आज के युग में पत्रकारों को निर्भीक होने की आवश्यकता

नारद जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते अतिथि। पत्रिका

उदयपुर @ पत्रिका.

इनको नारद सम्मान

एमडीएसयू में अभिनव पहल

विद्यार्थी अब पढ़ाई के साथ कर सकेंगे कमाई भी

कार्स/अजमेर। महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के लिए एक अभिनव ...

एआई, साइबर सिक्योरिटी योग एवं भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित नए पाठ्यक्रम शुरू

'प्रकृति के संरक्षण के बिना सतत विकास नहीं संभव'

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर विजेताओं को सम्मानित करते कुलगुरु प्रो. सुरेश अग्रवाल।

अजमेर @ पत्रिका. महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय में शुक्रवार को पर्यावरण विज्ञान-वनस्पति विज्ञान विभाग, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी और राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि जैव विविधता के संरक्षण के बिना सतत विकास संभव नहीं है। जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण जैव विविधता गंभीर संकट में है। ... संस्कृति एवं पर्यावरण को जोड़ते हुए ... विषयों पर शोध कार्य करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी के डॉ. सुजीत नारवड़े ने ... संरक्षण प्रयासों की जानकारी दी। पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. सुब्रतो दत्ता और वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अरविंद पारीक ने भी संबोधित किया। ... प्रतियोगिता में ... प्रथम, ... द्वितीय, ... तृतीय रहे। ... कार्यक्रम में प्रो. प्रवीण माथुर, प्रो. ऋतु माथुर, डॉ. विवेक शर्मा और अन्य मौजूद रहे।

एमडीएसयू में बीएससी ऑनर्स पर्यावरण विज्ञान में प्रवेश प्रारम्भ

ब्यावर/अजमेर। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा संचालित बीएससी ऑनर्स पर्यावरण विज्ञान पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। विभागाध्यक्ष प्रो. सुब्रतो दत्ता ने बताया कि बीएससी ऑनर्स पर्यावरण विज्ञान पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए विद्यार्थी का बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत तथा आरक्षित वर्ग के लिए 45 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

हिन्दुस्थान जिंक माइंस में शैक्षणिक भ्रमण आयोजित

एमडीएसयू के पर्यावरण विज्ञान विभाग ने विभागाध्यक्ष प्रो. सुब्रतो दत्ता के नेतृत्व में विद्यार्थियों के लिए कायड़ स्थित हिंदुस्थान जिंक माइंस का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। उन्होंने जिंक खनन की विभिन्न प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया तथा अयस्क निष्कर्षण, परिवहन, अपशिष्ट प्रबंधन, धूल नियंत्रण प्रणाली, जल संरक्षण तकनीकों एवं खनन क्षेत्र में अपनाए जा रहे पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

एमडीएस विश्वविद्यालय ने जारी की प्रवेश तिथियां, आवेदन प्रक्रिया शुरू

अजमेर। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय ने आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति आधारित नवाचारपूर्ण, रोजगारपरक, कौशल आधारित एवं भारतीय ज्ञान परंपरा से समन्वित शिक्षा व्यवस्था का व्यापक खाका प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने विश्वविद्यालय की नई शैक्षणिक दिशा, प्रवेश प्रक्रिया, उद्योगोन्मुख पाठ्यक्रमों, कौशल विकास योजनाओं, शोध आधारित पहल, डिजिटल सुधारों तथा छात्र-केंद्रित अकादमिक विजन की विस्तृत जानकारी दी। कुलगुरु ने कहा कि वर्तमान समय केवल पारंपरिक डिग्री आधारित शिक्षा का नहीं, बल्कि कौशल, नवाचार, तकनीकी दक्षता, उद्यमिता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप शिक्षा का है। इसी सोच के साथ विश्वविद्यालय "डिग्री के साथ दक्षता" आधारित मॉडल विकसित कर रहा है, जहां विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण, रोजगार क्षमता, नेतृत्व कौशल एवं व्यक्तित्व विकास के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

दैनिक भास्कर अजमेर 27-05-2026

एमडीएसयू: एआई, साइबर सिक्योरिटी और डेटा साइंस के नए कोर्स शुरू, 4 जून तक यूजी में प्रवेश

दैनिक भास्कर अजमेर 02-06-2026

घुमंतू विकास विभाग ने मांगी कार्ययोजना

एडीए घुमंतू-अर्धघुमंतू परिवारों को आवास व पट्टे उपलब्ध करवाएगा

मदस विवि : एकेडेमिक कौंसिल की 82 वीं बैठक में हुई कई फैसले

प्रतिष्ठित लोगों को देंगे डी-लिट की उपाधि, शुरू होंगे राष्ट्रनायकों पर आधारित क्रेडिट कोर्स

सिटी बुक 07 राजस्थान पत्रिका

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय तक चलेगी सिटी बस, शर्मा को कुलसचिव का अतिरिक्त प्रभार

प्रशासनिक, परीक्षा संबंधी कार्यों में मिलेगी मदद

दैनिक भास्कर अजमेर 02-06-2026

घुमंतू विकास विभाग ने मांगी कार्ययोजना

एडीए घुमंतू-अर्धघुमंतू परिवारों को आवास व पट्टे उपलब्ध करवाएगा

राजस्थान प्रशासनिक सेवा इंटरव्यू में एमडीएसयू के विद्यार्थियों का परचम

अजमेर। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर ने एक बार फिर प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता सिद्ध करते हुए राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) साक्षात्कार में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। ...

दैनिक नवज्योति 5

मदस विवि की प्रतियोगी परीक्षाओं में भी उत्कृष्टता साबित

कासं./अजमेर।

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय ने प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता साबित की है। इस वर्ष हुई आरएएस की परीक्षा में इस विश्वविद्यालय के 205 विद्यार्थी आरएएस परीक्षा के अंतिम चरण इंटरव्यू तक पहुंच गए। यह प्रदेश में किसी संस्थान का दूसरा सबसे अधिक आंकड़ा है। एक साथ 205 अभ्यर्थियों का आंकड़ा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, दूरदर्शी पाठ्यक्रम एवं विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास की सशक्त व्यवस्था को दर्शाता है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार एमडीएसयू का पाठ्यक्रम इस प्रकार तैयार किया गया है कि विद्यार्थी नियमित अध्ययन के साथ ही राजस्थान प्रशासनिक सेवा, भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं अन्य राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी स्वतः कर सकें। पाठ्यक्रम में समसामयिक विषयों, विश्लेषणात्मक अध्ययन, तार्किक क्षमता तथा प्रशासनिक दृष्टिकोण को विशेष महत्व दिया गया है, जिससे विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकसित हो सके। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से ही यह पहल शुरू हो सकी है।

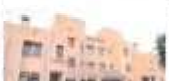

राजस्थान प्रशासनिक सेवा साक्षात्कार में एमडीएसयू का परचम

205 अभ्यर्थी पहुंचे साक्षात्कार तक, प्रदेश में दूसरा स्थान

पिंगल से कृत्रिम बुद्धिमता तक

तीनों पाठ्यक्रम उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप

एमडीएसयू में एआई, साइबर सिक्योरिटी और डेटा साइंस के नए पाठ्यक्रम शुरू

उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता का नया आधार: एमडीएसयू के यूजीसी-एमएमटीटीसी और एमिटी यूनिवर्सिटी के बीच समझौता

एमओयू : शोध नवाचार और शैक्षणिक नेतृत्व को मिलेगा नया आयाम

वैश्विक आधारित शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

व्यक्तित्व विकास से जुड़े प्रशिक्षण होंगे

भारतीय ज्ञान-परम्परा और आधुनिक करियर का सशक्त संगम-कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल

एम.डी.एस. विश्वविद्यालय में प्रारम्भ हुआ एम.ए. संस्कृत पाठ्यक्रम

30 जून तक ऑनलाइन आवेदन करके प्रवेश ले सकते हैं

एनालिसिस | 1096 पदों पर हुई थी भर्ती, इंटरव्यू में पहुंचे आधे से ज्यादा अभ्यर्थी ग्रामीण पृष्ठभूमि के

आरएएस का रिपोर्ट कार्ड : गांव के युवा आगे, शहर रह गए पीछे

इंजीनियर और डॉक्टर भी बने अफसर

इंटरव्यू में 52.36% युवा ग्रामीण

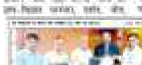

एमडीएसयू में एमए संस्कृत शुरू

तकनीकी शिक्षा में क्या मील का पत्थर: कुलगुरु

मदस विश्वविद्यालय | विभिन्न उद्यमिता-वाणिज्यिक संस्थानों से होगी चर्चा

स्वदेशी कॉन्सॉर्टियम करेगा ग्रामीणों-युवाओं की रोजगार में मदद

एमडीएस विश्वविद्यालय ने जारी की प्रवेश तिथियां, आवेदन प्रक्रिया शुरू

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय : कैंपस में शुरू होगी एनसीसी और रोवर-रेंजर गतिविधियां

सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों की ट्यूशन फीस होगी वापस

[illegible]

प्लेसमेंट सेल एवं स्किलिंग स्कूल

विशेषज्ञों की सेवाएं

[illegible]

योग आत्म पहचान, अनुशासन और सकारात्मक जीवन दृष्टि का आधार-चौधरी

[illegible]

एमडीएसयू में राज्य का प्रथम स्वदेशी कंसोर्टियम होगा स्थापित

[illegible]

एमडीएसयू और संगम यूनिवर्सिटी भीलवाड़ा के मध्य एमओयू

कार्स/अजमेर। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय एवं संगम विश्वविद्यालय भीलवाड़ा के मध्य एक एमओयू हुआ है। इस एमओयू के अंतर्गत दोनों संस्थानों के मध्य फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम्स, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संयुक्त शोध परियोजनाओं, अकादमिक सेमीनारों एवं ज्ञान आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा से जोड़ने के लिए विभिन्न नवाचार आधारित गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इस अवसर पर संगम विश्वविद्यालय भीलवाड़ा के कुलगुरु प्रो. करुणेश सक्सेना एवं रजिस्ट्रार डॉ. आलोक कुमार उपस्थित रहे। वहीं एमडीएस विश्वविद्यालय की ओर से कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल, रजिस्ट्रार कैलाश चंद्र शर्मा तथा यूजीसी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक प्रो. शिव प्रसाद मौजूद रहे।

मदस विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

'स्वाध्याय, ध्यान और आत्म पहचान जीवन की सफलता का आधार'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

अजमेर. राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौजूद केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल व अन्य।

अजमेर. स्वाध्याय, ध्यान और आत्म पहचान जीवन की सफलता का आधार है। [illegible]

'शोध डिग्री हासिल करने तक सीमित नहीं रहें, समाज व नीति निर्माण के भी काम आएं'

[illegible]

विशेष आलेख

नरेंद्र मोदी, जनादेश की निरंतरता और भारतीय लोकतंत्र का बदलता स्वरूप

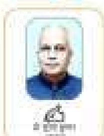

10

[illegible]

एनईपी-2020 की राह पर एमडीएसयू की बड़ी पहल

यूजी-पीजी में सेमेस्टर प्रणाली और नई परीक्षा व्यवस्था लागू

[illegible]

एमडीएसयू में छात्र पढ़ सकेंगे एआई और डेटा साइंस जैसे कोर्स

रोजगार की राह आसान करने के लिए विश्वविद्यालय और नैसकॉम के बीच समझौता

[illegible]

दैनिक भास्कर अजमेर 21-06-2026

एआई से रोजगार तक - डेटा साइंस और क्लाउड कंप्यूटिंग में बढ़ा सकेंगे दक्षता

एमडीएसयू-नैसकॉम एमओयू से छात्रों को इंटर्नशिप, छात्रवृत्ति और प्लेसमेंट के मौके

[illegible]

विद्यार्थी ज्ञान के साथ सीखेंगे जीवन मूल्यों का पाठ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अजमेर. महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने के लिए नए वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम तैयार किए हैं।

इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों से भी जोड़ा जाएगा। कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान तक सीमित न रखते हुए संवेदनशील, उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ नागरिक बनाना है। इनमें भारतीय दर्शन, संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण, लोकतांत्रिक चेतना, सांस्कृतिक विरासत, सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और जीवन कौशल जैसे विषय शामिल किए गए हैं।

विशेष पाठ्यक्रमों पर फोकस: भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्य शिक्षा, नैतिक नेतृत्व, पर्यावरणीय चेतना, लोकतांत्रिक मूल्य, विरासत संरक्षण, जीवन कौशल और राष्ट्र निर्माण जैसे विषय पढ़ाए जाएंगे।

इस तरह होगा मूल्यांकन

विद्यार्थियों का आकलन फील्ड विजिट, परियोजना कार्य, सामुदायिक सहभागिता, सर्वेक्षण, रिपोर्ट लेखन, प्रस्तुति, समूह चर्चा, पोस्टर प्रस्तुति, सेमिनार, केस स्टडी तथा प्रस्तुतिकरण के आधार पर किया जाएगा।

दैनिक भास्कर अजमेर 12-06-2026

योग आत्म विकास और भावनात्मक संतुलन का सर्वोत्तम माध्यम : चौधरी

राष्ट्रीय संगोष्ठी में सांसद दामोदर अग्रवाल भी शामिल हुए

सिटी रिपोर्टर | अजमेर

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय में संगोष्ठी को संबोधित करते कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी।

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के योगिक विज्ञान एवं मानव चेतना विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में 'काउंटडाउन प्रोग्राम' के तहत 'योग से आत्म विकास और भावनात्मक संतुलन' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन स्वराज सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि योग निरोग, प्रसन्न और संतुलित जीवन का सर्वोत्तम माध्यम है। उन्होंने स्वाध्याय, ध्यान और आत्मपहचान को जीवन की सफलता का आधार बताते हुए युवाओं से भारतीय जीवन मूल्यों एवं अनुशासित जीवन अपनाने का आह्वान किया।

मुख्य वक्ता रवि शर्मा ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक विकास का समग्र माध्यम है। उन्होंने आत्मअनुशासन, स्वाध्याय और कर्मयोग को जीवन में संतुलन स्थापित करने का आधार बताया। विशिष्ट अतिथि सांसद दामोदर अग्रवाल ने कहा कि योग स्वास्थ्य, चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण की सशक्त प्रक्रिया है तथा विश्व भारतीय ज्ञान परंपरा की ओर सम्मान की दृष्टि से देख रहा है। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 समग्र एवं मूल्यपरक शिक्षा पर बल देती है। उन्होंने योग को चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व विकास का प्रभावी साधन बताया।

विद्यार्थियों को मिलेगा डेटा साइंस व साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण

एमडीएसयू व नैसकॉम के बीच हुआ एमओयू

[illegible]

एमडीएस विश्वविद्यालय को फार्मेसी पाठ्यक्रमों की मिली स्वीकृति

[illegible]

दैनिक भास्कर अजमेर 03-07-2026

कुलगुरु ने उच्च शिक्षा में एकीकृत प्रवेश प्रणाली स्थापित करने के लिए प्रस्ताव सरकार को भेजा

एक बार पंजीकरण और आवेदन से तय कर सकेंगे प्राथमिकताएं

[illegible]

06 patrika.com

विश्वविद्यालय में शुरू होगी शिक्षक भर्ती प्रक्रिया, नैक ग्रेडिंग के लिए बुलाएंगे टीम

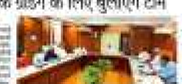

[illegible]

भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा का आधार बनाकर ही विकसित होगा आत्मनिर्भर भारत-कुलगुरु प्रो. अग्रवाल

[illegible]

एमडीएस विवि में परिसर विकास एवं सांस्कृतिक संरक्षण की नई पहल

विरासत सार-संभाल में सक्रिय भूमिका निभाएगा विवि परिवार

[illegible]

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से शुरू की पहल : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप व्यापक शैक्षणिक सुधार

स्नातक, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सेमेस्टर प्रणाली क्रेडिट आधारित ढांचा व नवीन परीक्षा पद्धति लागू

पत्रिका एजुकेशन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

[illegible]

महत्वपूर्ण पहल - उच्च शिक्षा होगी पारदर्शी

[illegible]

कुलगुरु ने यह कहा -

[illegible]

विश्वविद्यालय प्रार्थना

हे प्रभु ज्ञान ज्योति के आधार
कर दो जीवन उज्ज्वल और साकार
मन से मिटे अज्ञान अंधकार
भर दो अंतरमन में सत्य-विचार।
हे प्रभु ज्ञान ज्योति के आधार॥

बुद्धि निर्मल हो, उज्ज्वल हो ज्ञान
शांत रहे अंतरमन दृढ़ हों प्राण
विवेक जगे हर सांस के साथ
चरित्र बने जीवन की शान
हे प्रभु ज्ञान ज्योति के आधार॥

हम शोध करें मानव के हित में
सेवा हो अपना एक व्यवहार
हमसे है हर एक किरण
मिटा सके दुख का अंधकार
हे प्रभु ज्ञान ज्योति के आधार॥

मनो बुद्ध्यहंकार चित्तानि नाहम्
न च श्रोत्रजिह्वे, न च घ्राणनेत्रे
न च व्योम भूमिर्न तेजो न वायुः
चिदानन्दरुपः शिवोऽहम् शिवोऽहम्
चिदानन्दरुपः शिवोऽहम् शिवोऽहम्॥

रचयिता
प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल
कुलगुरु

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर
राजस्थान कॉमन एडमिशन सर्विसेज (RCAS)

(महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर का राज्य सरकार को प्रेषित प्रस्ताव)

एक आवेदन, अनेक अवसर – राजस्थान की उच्च शिक्षा अब एक ही द्वार से

(Single Window Admission with Real-time Allotment & Linkage)

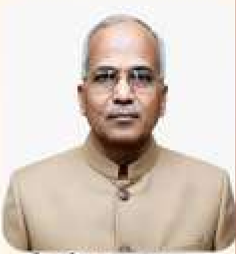

प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल
कुलगुरु
एमडीएस विश्वविद्यालय, अजमेर

राज्य सरकार को भेजा गया प्रस्ताव

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने राजस्थान सरकार को 'राजस्थान कॉमन एडमिशन सर्विसेज (RCAS)' स्थापित करने का प्रस्ताव प्रेषित किया है, ताकि राज्य के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों एवं उनसे सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं छात्र हितैषी बनाया जा सके।

RCAS के प्रमुख लाभ

- **एकीकृत डिजिटल मंच** — एक ही पोर्टल पर सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आवेदन
- **समय, धन और श्रम की बचत** — बार-बार आवेदन व दस्तावेज अपलोड की आवश्यकता नहीं
- **पारदर्शी और मेरिट आधारित** — प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी और मेरिट आधारित
- **रियल टाइम सीट जानकारी** — वैकल्पिक सीटों की वास्तविक समय में उपलब्धता
- **सुरक्षित दस्तावेज सत्यापन** — ऑनलाइन सत्यापन एवं सुरक्षित डेटा प्रबंधन
- **कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषणात्मक प्रणाली** — बेहतर निर्णय एवं योजना निर्माण

किसके लिए उपयोगी?

- ग्रामीण, जनजातीय एवं आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के विद्यार्थी
- राज्य के सकल नामांकन अनुपात (GER) में वृद्धि
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों के अनुरूप
- राजस्थान सरकार के डिजिटल प्रशासन एवं सुशासन के विज़न को सशक्त बनाना

RCAS की संभावित विशेषताएँ

RCAS — एक आवेदन अनेक अवसर

- एकीकृत पंजीकरण और प्रोफाइल निर्माण
- वास्तविक समय में रिक्त सीटों की जानकारी
- ऑनलाइन दस्तावेज सत्यापन
- एकीकृत भुगतान प्रणाली
- केंद्रीकृत मेरिट निर्माण
- डेटा एनालिटिक्स एवं AI आधारित रिपोर्टिंग
- डायनेमिक काउंसलिंग प्रक्रिया

प्रस्तावित अगला कदम

- उच्च स्तरीय समिति का गठन
- व्यवहार्यता अध्ययन (Feasibility Study)
- तकनीकी एवं प्रशासनिक रूपरेखा तैयार करना
- शैक्षणिक सत्र 2027-28 से क्रियान्वयन की संभावनाएँ

> "यदि इस प्रणाली को लागू किया जाता है, तो यह राजस्थान की उच्च शिक्षा व्यवस्था में एक ऐतिहासिक सुधार सिद्ध होगी और राज्य को तकनीक आधारित उच्च शिक्षा प्रशासन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाएगी।"

राजस्थान में उच्च शिक्षा को सरल, सुलभ और समावेशी बनाने की दिशा में एक सशक्त पहल

MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY, AJMER